दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
हिन्दी-अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 310 मुरादाबाद, 12 March 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

उपराष्ट्रपति बोले- लोकसभा के बारे में झूठी अफवाह को कैसे करें बर्दाश्त, सोचो छाती पर कितना सांप लोटता होगा

मेरठ में धन सिंह कोतवाल पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में पहुंचे उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने ठान लिया है कि देश की प्रतिष्ठा को कुंठित, धूमिल करना है। उनमें से एक को आंखों के सामने देखा। उन्होंने कहा कि लोकसभा में आज तक माइक बंद नहीं हुआ। कोई बाहर जाकर कहता है कि माइक बंद किया जाता है। यह कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। सोचो छाती पर कितना सांप लोटता होगा। वहीं उन्होंने कहा कि सदन में अपने मन की बात खुलकर रखें। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मेरा यह औपचारिक रूप से पहला आगमन है। उन्होंने कहा कि यह आगमन जीवन में हमेशा यादगार रहेगा। जगदीप ने कहा कि धन सिंह कोतवाल की प्रतिमा का अनावरण करूं, इतनी मेरी हैसियत नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो साचा नहीं था, वह अब मुमकिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोतवाल का कार्य क्षेत्र बहुत लंबा था। उप-राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ लोग लोकसभा के बारे में झूठी अफवाह फैला रहे हैं। इसे कैसे बर्दाश करें, सोचो छाती पर कितना सांप लोटता होगा। उप-राष्ट्रपति ने कहा कि मेरे मन में एक नाराजगी है कि हम शहीदों को क्यों भूल गए। उन्होंने कहा कि हमारे इतिहास में इनका जिक्र सही ढंग से क्यों नहीं किया गया। कहा कि आज पूरा विश्व भारत का लोहा मान रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व देखता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्या बोलेंगे। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये से एक बहुत बड़ा ऑडिटोरियम बन रहा है। अगली बार मेरठ आऊंगा तो यह टेंट लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि जो सोचा नहीं था, वह आज आंखों के सामने पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज जो सुनने को मिल रहा है, वह मन को प्रशन्न करता है। कहा कि विकास की गंगा इसी राज्य में बह रही है। लॉ ऑर्डर के मामले में उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश है। उन्होंने कहा कि जब हालात दूसरे थे, पुलिसकर्मियों को डराया जाता था। लेकिन आज हालात अलग है, पुलिसकर्मी बिना किसी दबाव के काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मैं मेरठ से पॉजिविटी लेकर जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि जो भी उत्तर प्रदेश में रह रहा है, वह बहुत गौरवशाली है। उन्होंने कहा कि 2047 में भारत विश्वगुरु होगा।

कांग्रेस के रास्ते पर चल रही भाजपा', ED-CBI की कार्रवाई पर बोले अखिलेश यादव

अहमदाबाद-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर आज जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि महात्मा गांधी के देश में बुलडोजर ने अहिंसा का मार्ग अख्तियार कर लिया है। विपक्षी नेताओं पर ईडी और सीबीआई की छापेमारी पर तंज कसते हुए सपा नेता ने कहा कि छापेमारी की परंपरा कांग्रेस ने शुरू की थी, लेकिन अब भाजपा उसी रास्ते पर चल रही है।

सरकार के दबाव में काम कर रही एजेंसियां

सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा कि सभी स्वतंत्र एजेंसिया अब केंद्र सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। अखिलेश ने कहा कि सीबीआई, ईडी और आईटी सरकार के इशारे पर काम करती हैं और विपक्ष के नेताओं को परेशान कर रही हैं।

ED की बताई नई फुल फॉर्म

अखिलेश यादव ने आगे ईडी की नई फुल फॉर्म भी बताई। अखिलेश ने कहा कि ईडी का अब मतलब एग्जामिनेशन इन डेमोक्रेसी हो गया है और आपको इस परीक्षा से गुजरना ही होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के रास्ते पर चल रही है और उसके पास कोई नया काम करने को नहीं बचा है।

CM योगी करेंगे उद्घाटन- स्टील प्लांट देगा हजारों परिवारों को संजीवनी, 550 करोड़ रुपये का हुआ है निवेश

गीडा सीईओ पवन अग्रवाल ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में जो भी प्रस्ताव मिले हैं, उनको धरातल पर उतारने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। गीडा में लैंड बैंक की कोई दिक्कत नहीं है। पर्याप्त लैंड बैंक गीडा के पास इस वक्त मौजूद है। नियमानुसार सभी उद्यमियों को जमीन भी उपलब्ध कराई जा रही है। छह साल पहले तक जिस गीडा में निवेश करने से निवेशक कतराते थे, बदले माहौल में वहां बड़ी इंडस्ट्री लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिष्ठित उद्योग समूह मेसर्स अंकुर उद्योग लिमिटेड के इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट का उद्घाटन करेंगे। प्लांट के पूरी क्षमता से संचालित होने के बाद दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष और पांच हजार लोगों को परोक्ष रोजगार मिलेगा। गीडा की तरफ से एएल-2 सेक्टर-23 में आवंटित 82 एकड़ क्षेत्रफल में फैले और 550 करोड़ रुपये के निवेश वाले इस प्लांट की स्थापना का कार्य 2020 में शुरू हुआ था। इसमें टीएमएक्स (थरमैक्स पॉवर्ड) सरिया का उत्पादन शुरू हो चुका है। इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट की उत्पादन क्षमता तीन लाख टन प्रति वर्ष की है। यहां 30 मेगावाट बिजली भी पैदा होगी। अंकुर उद्योग लिमिटेड ने प्लांट के विस्तार के लिए 700 करोड़ रुपये के निवेश का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग (एमओयू) भी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में किया है। कंपनी ने डेढ़ किलोमीटर ट्रैक की लंबाई में प्राइवेट रेलवे साइडिंग विकसित किया है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से कच्चा माल मंगाने के लिए फैक्ट्री परिसर में 700 मीटर की लंबाई में अनलोडिंग प्लेटफार्म भी बनाया गया है। यहां टीएमएक्स बार का उत्पादन हो रहा है, जो टीएमटी का बदला हुआ और बेहतर रूप है।

विपक्षी दलों की ओर से PM मोदी को भेजे पत्र से खुद को अलग करने पर बोले CM नीतीश- छोटे-मोटे चीज के लिए कहां जाएं

पटना- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को इस चर्चा को सिरे से खारिज कर दिया कि वह गठबंधन बदलने जा रहे। राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम से लौटने के क्रम मे पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि गठबंधन बदलने की बात कही जा रही है तो उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। उन्होंने उल्टे सवाल करते हुए कहा कि कहां से सुन लेते हैं इस तरह की बात? चिंता मत कीजिए।विपक्ष की एकजुटता से जुड़े प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तो सभी के हित में यही चाह रहे। हमारी अपनी कोई ख्वाहिश नहीं है। कांग्रेस से हमने बराबर अपील की है। हाल में भी दो बार कहा है। हम तो इंतजार कर रहे है। बाकी लोग भी सकारात्मक बोल रहे हैं। जो फाइनल करेंगे, उसके बाद ही कुछ होगा।

नीतीश बोले- हम काम में व्यस्त रहते हैं

विपक्ष के नौ दलों द्वारा केंद्रीय एजेंसी के दुरुपयोग के बारे में प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाने के मामले में जदयू के अलग रहने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तो रात-दिन काम करते रहते हैं। अलग-अलग पार्टियां अलग-अलग काम करती रहती हैं। हम तो काम में सक्रिय रहते हैं। व्यस्त रहते हैं। हमारी इच्छा यह है कि ज्यादा से ज्यादा दल एकजुट हो जाएं। एक राउंड हमने बात कर ली है। यदा-कदा बात होती रहती है। जब होगा तो जाएंगे। छोटे-मोटे चीज के लिए कहां जाने की जरूरत है।

जाने की जरूरत होगी तो जाएंगे- नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस पार्टी को जैसा लगता है, वह काम करती रहती हैं। मेरा अभी वहां जाना कोई आवश्यक नहीं है। जब सब कुछ हो जाएगा तो हमारे जाने की जरूरत होगी तो जाएंगे। बिहार में तो सात दल मिलकर काम कर रहे हैं। यहां कोई दिक्कत नहीं है।

छत्तीसगढ़ से पहुंची टीम से मिले सीएम

बिहार मे शराबबंदी मॉडल के अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ से आई टीम के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम से बहुत अच्छे ढंग से बात हुई है। हमने उन्हें 2018 के सर्वे के बारे में बताया कि शराबबंदी लागू होने के बाद 1.64 करोड़ लोगों ने शराब पीना छोड़ दिया है। इसके बाद जब हाल में सर्वे कराया तो यह बात सामने आई कि 1.82 करोड़ लोगों ने शराब पीना छोड़ दिया है। बिहार में 99 प्रतिशत महिलाएं शराबबंदी के पक्ष में हैं। वहीं, 92-93 प्रतिशत पुरुष शराबबंदी का समर्थन करते हैं।

जेल से मनीष सिसोदिया का संदेश: साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुंचा सकते हो, हौसले नहीं तोड़ सकते

मनीष सिसोदिया ने होली वाली शाम को भी अपने ट्विटर से एक ट्वीट किया था जिस पर भाजपा ने सवाल उठाया था कि आखिर सिसोदिया ने ट्वीट कैसे किया, क्या जेल में उनके पास मोबाइल है। कथित आबकारी घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से आज एक बार फिर ट्वीट हुआ है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कुछ बातें कहीं हैं, हालांकि ट्वीट में साहेब शब्द का उपयोग किया गया है। सिसोदिया के अकाउंट से ट्वीट किया हुआ है, %साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुंचा सकते हो, मगर मेरे हौसले नहीं तोड़ सकते, कष्ट अंग्रेजो ने भी स्वतंत्रता सेनानियों को दिए, मगर उनके हौसले नहीं टूटे। - जेल से मनीष सिसोदिया का संदेश%। मनीष सिसोदिया ने होली वाली शाम को भी अपने ट्विटर से एक ट्वीट किया था जिस पर भाजपा ने सवाल उठाया था कि आखिर सिसोदिया ने ट्वीट कैसे किया, क्या जेल में उनके पास मोबाइल है।

सिसोदिया ने लिखी थी जेल से चिट्ठी

तिहाड़ जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को देश के नाम खुला पत्र लिखा। भाजपा की केंद्र सरकार पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए सिसोदिया ने लिखा कि भाजपा लोगों को जेल में डालने की राजनीति कर रही है। हम बच्चों को पढ़ाने की राजनीति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का गुनाह इतना है कि प्रधानमंत्री के समक्ष वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर दी, इसलिए केजरीवाल सरकार के दो मंत्री फिलहाल जेल में हैं। जेल की राजनीति भले ही सफल होते दिख रही है, लेकिन भारत का भविष्य स्कूल की राजनीति में है। अगर पूरे देश की राजनीति तन-मन-धन से शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के काम में जुट गई होती तो देश में हर बच्चे के लिए विकसित देशों की तरह अच्छे स्कूल बन गए होते। सिसोदिया ने पत्र में लिखा है कि जेल के अंदर से देख पा रहा हूं कि जब राजनीति में सफलता जेल चलाने से मिल जा रही है तो स्कूल चलाने की राजनीति की भला कोई जरूरत क्यों महसूस करेगा। सत्ता के खिलाफ उठने वाली आवाज को जेल भेजना बच्चों के लिए अच्छे स्कूल-कॉलेज खोलने से कहीं ज्यादा आसान है। एक बार शिक्षा की राजनीति राष्ट्रीय फलक पर आ गई तो जेल की राजनीति हाशिए पर ही नहीं, बल्कि जेल भी बंद होने लगेंगी।

जेल की राजनीति से नेता तो शिक्षा से देश बन रहा है ताकतवर

सिसोदिया ने पत्र में लिखा है कि तस्वीर एकदम साफ दिख रही है। जेल की राजनीति सत्ता में बैठे नेता को और बड़ा व ताकतवर बना रही है। शिक्षा की राजनीति के साथ समस्या यही है कि यह नेता को नहीं देश को बड़ा बनाती है। जब शिक्षा लेकर देश के कमजोर से कमजोर परिवार का बच्चा भी मजबूत नागरिक बनता है तो देश ताकतवर बनता है। देश साफ-साफ देख रहा है कि कौन खुद को बड़ा बनाने की राजनीति कर रहा है और कौन देश को बड़ा बनाने की राजनीति कर रहा है।

स्वाति मालीवाल का खुलासा, बचपन में पिता ने किया यौन उत्पीड़न; पिटाई से बचने के लिए बेड के नीचे छिपती थी

नई दिल्ली- दिल्ली महिला आयोग (DCW) की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने सनसनीखेज खुलासा किया है। आरोप लगाया कि उनका बचपन में उनके पिता ने कई बार यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा कि वो मुझे पीटते थे और मैं बचने के लिए बेड के नीचे छिप जाती थी। स्वाति मालीवाल ने अपने अनुभव को व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि उनके पिता ने बचपन में उनका यौन उत्पीड़न किया था।

जापानी युवती के साथ बदसलूकी का मामला

जापानी युवती के साथ होली पर रंग लगाने के दौरान बदसलूकी के मामले में स्वाति मालीवाल ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें कुछ युवक एक जापानी महिला को होली का रंग लगा रहे थे। वह काफी असहज महसूस

कर रही थी। आरोप लगाया कि युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ की है। वह मदद के लिए चिल्ला रही थी, लेकिन आरोपी युवक रुके नहीं। दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर युवकों पर कार्रवाई की मांग की है। उन लोगों की पहचान कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजने को कहा है।

स्वाति मालीवाल को हाई कोर्ट से राहत

दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने राहत प्रदान कर दी। नियुक्तियों में अनियमितता के मामले में आरोप तय किए जाने के खिलाफ मालीवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ ने निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी। पीठ ने कहा कि इस मामले में आर्थिक लाभ प्राप्त करने का अनिवार्य घटक शामिल नहीं हैं। साथ ही इसे लेकर भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से स्थिति रिपोर्ट तलब की है। जवाब देने के लिए उसे छह सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 26 जुलाई को तय की है।

संपादकीय Editorial

New plots of development

In the next round of infrastructure construction, Himachal's background needed futuristic dreams and in this context, the priorities of the Sukhu government would be seen and understood. A lot has been said, but ever since the meeting of directions of the state is choosing the bridge of complete infrastructure and connectivity, since then geographical expectations are being seen in the balance of the state. After four-laning projects like Parwanoo-Shimla and Kiratpur-Manali, now the mention is being made of four-lane projects like Shimla-Mataur and Pathankot-Mandi, so this is the most important density of the state on the basis of population and the importance of such an ambition crossing from within it is beyond any doubt. Also increases the credibility of the government. The pleasant aspect is that Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu opens the doors of historical heritage and covers the context by including Kangra in himself, while earlier leaders created not only satraps by dividing Kangra into pieces in the arithmetic of politics, but also institutions like Central University. The importance of was also divided into pieces. However, on the soil of two forelane projects, such dreams have started decorating, which are resolving to limit the distance of Shimla and solve the need of tourism. In such a situation, it can define the personality of the Chief Minister like an opportunity. More or less every Chief Minister in the state has associated beautiful meaning of development with his name. There have been Chief Ministers from water to roads here, so will Sukhu be successful as the creator of future infrastructure on the next flight of development. If his determination to find the capital of tourism in Kangra can also strengthen connectivity, then more than half of the work will be completed. In this view, the expansion of Kangra airport is measuring the height of his intentions. Along with expansion of forelane and airport, the concept of Ranital-Bilaspur rail line will strengthen the economy of the whole scenario. The proposed 100 kilometer long rail line would indeed prove to be such a project, which would be close to the heart of Himachal. So far Himachal has been looking at its rail expansion with Nangal-Talwara connectivity or connecting itself with the dream of Leh rail. Readers would remember that we had repeatedly advised to divert the Una train towards Jwalaji and later to extend it towards Bilaspur, Kangra and Mandi. In fact, all the possibilities of rail expansion in Himachal Pradesh are either related to apple transportation and cement industry or religious tourism. If Ranital to Bilaspur and later from Amb-Andaura to Jwalaji Mandir is connected by rail line, the potential of major religious places of Himachal will improve. Looking at the economic point of view of railway expansion, the proposal of Ranital-Bilaspur is touching the heart of Himachal for the first time. Let us reiterate and it has been our belief from the beginning that Hamirpur will be the center point of Himachal's roads, connecting Una to Jwalaji for rail expansion and Kangra airport will prove to be an important stop for air services. Along with this, if the potential of Kol Dam, Govind Sagar and Pong Dam is seen from the point of view of water transport, then many untouched attractions and economic possibilities will emerge. it would be an important step to close unnecessary offices and when the Sukhu government will be able to do this, its qualitative effect will also be seen. If the Sukhu government is able to develop necessary infrastructure up to the village level to make the state a true tourism state, it will revolutionarily enrich this industry. Rising above politics, every corner should be included in the totality of the state's development and from this point of view, a resolution for future infrastructure will have to be prepared.

Justice: Human Rights Commission is a ray of hope for the hopeless

In its journey of three decades, the Human Rights Commission has taken suo moto cognizance and protected the human rights of such people, who are not heard anywhere. People seeking justice in adverse circumstances, when they see the hand of a pillar behind them, who has become an ally in the fight for their interest, then a light comes in their dark life, and they re-realize their existence with hope. start doing The National Human Rights Commission of India is with the people of the country by taking such initiative in this direction since 1993, for which the Commission should be praised. The National Human Rights Commission was established in 1993 and on June 24, 1993, the Commission took suo moto cognizance of Jamal Afghani's case. In those days the chairman of the commission was Justice Ranganath Mishra. He was the first chairman of the commission. The Human Rights Commission has taken suo motu cognizance of 2,685 cases since 1993, which is an exemplary number. In the year 2023 itself, the number of suo motu cases from the Commission is 25. Common people, newspapers, reporters, TV and other important people are involved in bringing all these matters to notice. But whether the news is circulated or published, or a letter is written or a report is made, it does not make any difference. Whether the Commission accepted it or the Commission automatically made those subjects a part of its mind from sources, this is a very important thing. This shows the activism of the Human Rights Commission. So far, the number of cases that have come before the commission is 21 lakh 85 thousand 76, out of which 21 lakh 71 thousand 690 have been disposed of. The commission is undoubtedly playing a big role. Even if people question what the commission does! Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar had expected the autonomous institutions nurtured by the Constitution to strengthen the concept of social justice by faithfully discharging their responsibilities. Undoubtedly, the Human Rights Commission has moved ahead in this direction and respected the Constitution and has created a place for everyone with its initiative like self cognizance. Presently its Chairman Justice Arun Kumar Mishra is enhancing the prestige of the Commission by leading it along with his two Hon'ble Member Colleagues Dr. Dnyaneshwar Manohar Mulay and Rajeev Jain. In the case of self-cognition, the intention of the Commission is clearly visible that it is deeply connected to human sensibilities. It is just the beginning of 2023, and the Commission's initiative to bring 25 suo motu cases to justice indeed fills us with hope. It would not be an exaggeration if the people of India see such an initiative as their shield. There is a long tradition of such self-cognition in the world in the judicial system. In recent times, be it the Rohingya case or the issue of restrictions on women in Afghanistan, or even the casualties of the Ukraine war, the Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights has taken suo moto cognizance several times, and with the help of its Special Envoy Tried to take many such initiatives through medium. If such cases are not dealt with on their own, then humanity will be forced to live in pain. Therefore, the positive and active role played by the National Human Rights Commission in India in this direction is lighting the lamp of hope in the lives of the disheartened people. Why should only the Commission be aware, it is also the responsibility of the society to bring such matters to the notice of the Commission, so that people can get justice. When the NHRCs established in many countries of the world are not able to give much results, and there is a continuation of human rights abuses in them, at such a time, undoubtedly, in the great journey of India's 75-year-old democracy, the NHRC has so far Matters of cognizance assure justice. The author has been the Officer on Special Duty to late former President Pranab Mukherjee

Goodbye Satish Kaushik: Behind the cheerful face resided an emotional person

The last time I met him was under the office of producer Jayanti Lal Gada. He was sitting in a car which was gifted to Gada by his son. He met with the same warmth. After that we never met. May you find peace wherever you are. Actor, director Satish Kaushik is no more with us. He was 66 years old. He has gone from our midst, I cannot believe it. Always full of enthusiasm and making others laugh. My memories of Satish go back a long time. It is about the year 1982. I had then become an assistant to the famous director Shyam Benegal. My first film as an assistant director was Mandi. The shooting of this film was to go on continuously for two months in a small town near Hyderabad. The entire film unit left for their destination in a second class bogie of the train, which was reserved for us only. I did not recognize any of the passengers who were with me. Till then I had never interacted with anyone I didn't like or didn't get along with. Call it my stupidity, I was assuming that everyone would like me and my track with everyone. Will sit easily. Before leaving for the journey, mother had packed a lot of homemade sweets with my luggage so that her beloved would never go hungry. When the train started moving, my mind also started moving. I started thinking that I meet everyone, introduce myself and the excuse I found for this was to distribute homemade sweets among them as my own. But, the matter did not accumulate much. The sweetness of my affinity could not make the syrup of relationships. However, two people turned out to be exceptions in this whole circle. These were Satish Kaushik and Ila Arun. I can never forget the warmth and affection of these two. In a way, without expressing it, I got such assurance that my journey would pass smoothly. However, many such things happened in this journey which even if I want to forget, I cannot forget. When the shooting started, the atmosphere got worse. Only the women knew what roles they had to play. Shyam Babu had not told anything about this to the men. The result was that everyone started trying to impress him. The opportunity to eat would have turned into a court and Shyam Babu would have become 'Maharaja'. And, like courtiers, all the male artists would get involved in her presence. In a way, a different spectacle would go on. Someone sang a song, someone copied someone. One recited poetry as well, but I liked Satish Kaushik the most. Satish was an amazing artist - he copied the train. He recounted our entire journey from beginning to end, making a characteristic patak sound. It was very original and innovative too. However, all this could not translate into their characters and the mouths of these actors kept getting bigger and bigger day by day. On the other hand, Satish Kaushik had kidney problem and returned from there without shooting for a single day. But, Satish Kaushik's artwork had left its mark in Shyam Babu's mind. He gave Satish the role of a sycophantic government officer in his film 'Susman'. Satish was a wonderful artist. I got to know him a little more closely in those days and also came to know that a very serious but emotional person is hidden inside this person who always makes others laugh. The last time I met him was under the office of producer Jayanti Lal Gada. He was sitting in a car which was gifted to Gada by his son. He met with the same warmth. And, after that we never met. May you rest in peace, Satish. You will always be greatly missed.

Why should regional parties dance at the behest of big parties?

In the current politics, big parties started forming their side and opposition. To weaken the vote bank of the rival party, they field even a small party. Small and medium political parties in the country have proved their importance in a democracy for some time now. The results of assembly elections held in a few decades are proof. It is clear from these that when the established national parties do not live up to the expectations of the voters, then the people do not hesitate to give opportunity to the local leadership as well. It is a different matter that even the newly emerged political parties have not been very successful from the point of view of following democratic traditions. Organizational elections in small parties are not held on time and their founder-president Sari Omar remains the party's Chowdhary. He wants that not even a leaf should move in the party without his permission. When he is no more, his family inherits the organisation, the power. In these situations, democratic duty and voter service are sidelined. The irony is that his forefathers, who formed the party, handed over their legacy to him, but did not train him about the republic. This is also one of the reasons for the growth of authoritarian thinking in the new generation. Despite this, it has to be admitted that the way the flowers of every religion, caste-tribe and ideology smell in the bouquet of a healthy democracy, in the same way there is a lot of potential for new political parties to flourish and develop. The question is, have these regional parties done justice to their roles? On the practical ground, the answer is a bit disappointing. To understand this, one has to go back about three decades, when there was a period of political instability in India. Voters were getting frustrated with the functioning of big parties and they had made up their mind to allow new satraps to enter politics. Be it Bahujan Samaj Party or Samajwadi Party, Trinamool Congress or Nationalist Congress Party, Rashtriya Janata Dal or Janata Dal United, Telugu Desam Party of South India or YSR Congress or Telangana Rashtra Samithi. Some other political parties born in this period can also be put in this line. All these medium parties started in the best way, but later their internal democracy got derailed. They became the representative parties of their respective states, but could not increase their size by going beyond the boundaries of the state. They either joined an alliance or a rival alliance. This was the same period when coalition governments started in Indian politics. By this time, the ideological base in politics had begun to weaken and politics had started taking the shape of an industry. That's why neither the national parties could remain free from the interference of the capital, nor the regional parties could save themselves. If the artisans of these parties used to do the work of laying carpets and installing loudspeakers as a worker in national parties, now they were playing the same role as allies of big parties. The only difference was that now his personal political shop had started running. In the current politics, big parties started creating their own side and their own opposition. They want that a small party should be formed to weaken the vote bank of the rival party, so that the vote bank of the opposite party will be shattered.

ड्योढ़ी पर सांकल की आहट नहीं रही, घूंघट उतर गया, शर्माहट नहीं रही

मुरादाबाद- रचनाकार डॉ. अजय अनुपम के ताजा मुक्तक संग्रह ओवेराम का लोकार्पण शनिवार को हिंदी साहित्य सदन के तत्वावधान में श्रीराम विहार कालोनी स्थित विश्रांति भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कवयित्री डॉ. पूनम बंसल द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई।डॉ. अजय अनुपम ने मुक्तक ने सुनाया कि ड्योढ़ी पर सांकल की आहट नहीं रही, घूंघट उतर गया, शर्माहट नहीं रही। हाय-हलो पर सिमट गई दुनियादारी, रिश्तों के भीतर गर्माहट नहीं रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यश भारती डॉ. माहेश्वर तिवारी ने कहा कि डा. अनुपम के मुक्तक संभावना से सार्थकता तक की यात्रा के साक्षी हैं। निश्चित रूप से वह मुक्तकों के रूप में साहित्य की भावी पीढ़ी को एक रास्ता दिखा रहे हैं। मुख्य अतिथि व्यंग्य कवि डा. मक्खन मुरादाबादी ने कहा कि अनुपम के मुक्तक जीवन की धुकर-पुकर के मुक्तक हैं, जिन्हें उन्होंने पिया भी है और जिया भी है। विशिष्ट अतिथि केके गुप्ता रहे। संचालन नवगीतकार योगेन्द्र वर्मा व्योम ने किया। शायर ज़िया जमीर ने कहा कि डॉ. अजय अनुपम का यह दूसरा मुक्तक संकलन देर तक याद रखा जाएगा। कवि राजीव प्रखर ने पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत की। शायर डॉ. आसिफ हुसैन, कवयित्री डॉ. पूनम बंसल, डॉ. अंजना दास, राजन राज, ज्योतिर्विद विजय दिव्य, सुशील शर्मा आदि ने भी डॉ. अजय को बधाई दी।

गणित के सवालों में उलझे परीक्षार्थी, 1318 परीक्षाथियों में 23 गैरहाजिर

मुरादाबाद- सीबीएसई की शनिवार को हाईस्कूल की संस्कृत और इंटरमीडिएट में गणित की परीक्षा हुई। गणित के प्रश्नपत्र में परीक्षार्थी समीकरणों में उलझ गए। जिन्हें हल करने में काफी परेशानी हुई। हालांकि परीक्षार्थियों ने पूरा प्रश्नपत्र हल किया। जिले के 16 केंद्रों पर गणित की और तीन सेंटरों पर संस्कृत की परीक्षा सुबह 10:30 बजे से शुरू हुई। इससे पहले परीक्षार्थी 9:45 बजे तक केंद्रों पर पहुंच गए। तलाशी के बाद परीक्षार्थी कक्षों में पहुंचे। जहां परीक्षार्थियों को उत्तरपुस्तिकाएं और प्रश्नपत्र बांटे गए। 1:30 बजे पेपर छूटने के बाद केंद्रों से बाहर आए परीक्षार्थियों के चेहरे पर खुशी थी, लेकिन कुछ मायूस भी नजर आए। बताया कि गणित का प्रश्नपत्र आसान नहीं था। समीकरणों ने काफी उलझाया। हालांकि, पूरा प्रश्नपत्र हल किया। सीबीएसई जिला कोऑर्डिनेटर शेफाली अग्रवाल ने बताया कि हाईस्कूल की संस्कृत की परीक्षा में 35 विद्यार्थी पंजीकृत थे सभी ने उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं, इंटरमीडिएट में गणित विषय के 1318 परीक्षार्थियों में से 23 गैरहाजिर रहे, जबकि एप्लाइड गणित में 228 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

महफिल-ए-सिमां में कव्वालों ने बाधा समां

मुरादाबाद- शहर के मोहल्ला हाफिज बन्ने की पुलिया स्थित नोमान मंसूरी के आवास पर महफिल-ए-सिमां का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रामपुर स्थित दरगाह हजरत खुरमा शरीफ के सज्जादानशीन सय्यद शाह मियां, सांसद डा. एसटी हसन और देहात विधायक हाजी नासिर कुरैशी रहे। महफिल-ए-सिमां में कव्वालों ने अपने कलाम पेश कर वाहवाही लूटी।

महफिल के अंत में नायब शहर इमाम मुफ्ती सय्यद फहद अली ने मुल्क में अमन के लिए दुआ कराई। इस मौके पर खानकाही एकता मिशन से दरगाह हजरत सुल्तान साहब के सज्जादानशीन अली नईम चिश्ती, दरगाह हजरत शाह मुकम्मल साहब के सज्जादानशीन शिबली मियां, सय्यद यूसुफ अली कुद्दूसी, असद मोलाई, मुफ्ती दानिश उल कादरी व हाजी सलाउद्दीन मंसूरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों पर शुरू हुआ एसआई कैडेट का आगमन, 12 मार्च से आमद

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश पुलिस पहली बार 8,682 महिला व पुरुष एसआई कैडेट को दरोगा का एक वर्षीय प्रशिक्षण एक साथ शुरू करने जा रही है। प्रदेश के 11 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में 13 मार्च से एसआई कैडेट का प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा। मुरादाबाद के तीन प्रशिक्षण केंद्रों पर शनिवार को 117 पुरुष व महिला कैडेट ने अपना आगमन दर्ज कराया। सभी की आमद रविवार से शुरू होगी। वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड ने यूपी पुलिस में उपनिरीक्षक के 9534 पदों का नोटिफिकेशन जारी किया।

एसआई के कुल पदों में से नागरिक पुलिस के 9027, प्लाटून कमांडर पीएसी में 484 व अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के 23 पद आरक्षित हैं। वर्ष 2021 में दारोगा भर्ती की परीक्षा संपन्न हुई। 2022 में परीक्षा परिणाम जारी हुआ। परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का एक वर्षीय प्रशिक्षण 13 मार्च शुरू होने जा रहा है। पुलिस के 11 प्रशिक्षण केंद्रों पर 8,682 एसआई कैडेट दरोगा का प्रशिक्षण शुरू करेंगे। प्रशिक्षण से पहले शनिवार को डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में 64 पुरुष एसआई कैडेट ने आगमन दर्ज कराया। पुलिस अकादमी के एएसपी महेंद्र कुमार ने बताया कि एसआई कैडेट की आमद रविवार (12 मार्च) से दर्ज होगी। शनिवार को 64 एसआई कैडेट पुलिस अकादमी पहुंचे। सभी का आगमन दर्ज किया गया है। 13 मार्च को पुलिस अकादमी के अधिकारी कैडेट से परिचय प्राप्त करेंगे। 14 मार्च से दारोगा का एक वर्षीय प्रशिक्षण विधिवत शुरू होगा। पीटीसी के डिप्टी एसपी रामअवतार सिंह यादव ने बताया कि शनिवार को 47 पुरुष एसआई कैडेट ने पीटीसी में अपना आगमन दर्ज कराया। जबकि पीटीएस के डिप्टी एसपी देवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि शनिवार को कुल छह महिला एसआई कैडेट का आगमन दर्ज हुआ। रविवार से सभी की आमद दर्ज की जाएगी।

रिक्रूटों का आवंटन

प्रशिक्षण केंद्र	रिक्रूटों की संख्या
1-पुलिस अकादमी मुरादाबाद -	804
2- पीटीसी मुरादाबाद -	1202
3- पीटीसी सीतापुर -	851
4- ईपीटीसी सीतापुर -	846
5-पीटीसी उन्नाव -	811
6- पीटीएस गोरखपुर -	564
7- ईपीटीसी मिर्जापुर -	766
8-पीटीएस जालौन -	397
9- पीटीएस सुल्तानपुर - महिला	689 रिक्रूट
10- पीटीएस मेरठ -	781
11- पीटीएस मुरादाबाद-	971

होली के बाद बुखार, खांसी और सांस के बढ़े मरीज

मुरादाबाद- शनिवार को जिला अस्पताल में ओपीडी 12 बजे बंद, मरीज परेशान, गंभीर मरीजों की इमरजेंसी वार्ड में जांच की गई, वायरल इंफेक्शन से बचाव को मास्क का प्रयोग जरूरी होली के बाद बुखार, खांसी-जुकाम और गले से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। जिला अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की भीड़ जुटी रही। वहीं, दूसरा शनिवार होने के कारण अस्पताल की ओपीडी 12 बजे बंद कर दी गई। जिस कारण देरी से पहुंचे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि, गंभीर मरीजों की इमरजेंसी वार्ड में जांच की गई। शनिवार को जिला अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की भीड़ रही। 1000 मरीजों ने ओपीडी में दिखाया। मेडिसिन में सर्वाधिक 400 मरीजों ने परामर्श प्राप्त किया। इसमें खांसी, जुकाम व बुखार के साथ-साथ सांस रोगियों की संख्या 200 से अधिक रही। बीपी और शुगर के 100 मरीजों ने जांच कराई। त्वचा से संबंधित बीमारी में 100 मरीजों ने दिखाया। इसके अलावा हड्डियों में दर्द, नेत्र और अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीज पहुंचे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि इन दिनों वायरल इंफेक्शन फैल रहा है। बचाव के लिए सबसे जरूरी है मास्क लगाए।

क्योंकि यह एक-दूसरे से फैलता है। इसके अलावा फास्ट फूड व तली भूनी चीजों से परहेज करें। पौष्टिक आहार का सेवन करें और अनावश्यक घर से बाहर न घूमे। उन्होंने बताया कि महीने के दूसरे शनिवार को 12 बजे तक ओपीडी चलती है। 12 बजे तक जिन मरीजों के पर्चे बन चुके थे। उन सभी को दवा देने के बाद ओपीडी बंद की गई। इसके अलावा जो गम्भीर मरीज थे । उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में देखा जा रहा है।

आज से अधिक रहेगा कल का तापमान, तेज धूप से बचने का करें प्रयास

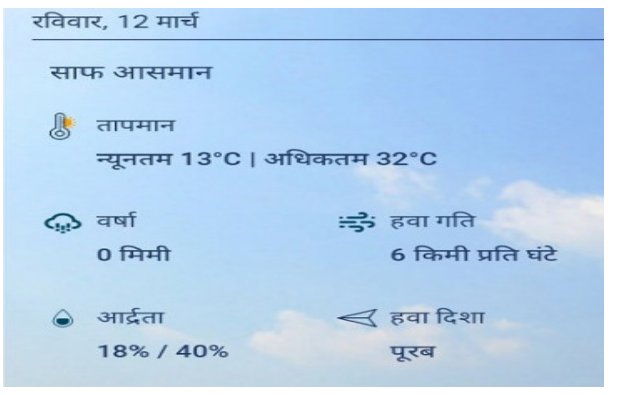

मुरादाबाद- हर दिन तापमान बढ़ने का क्रम चल रहा है। होली के बाद तेज धूप से गर्मी बढ़ी है। हालांकि हवा से थोड़ी राहत मिली है। लेकिन दोपहर में धूप पसीना निकाल रही है। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण ने तेज धूप से बचने की सलाह दी है। शनिवार को अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम 12 डिग्री रहा। रविवार को अधिकतम तापमान एक डिग्री बढ़कर 32 डिग्री हो जाएगा। दोपहर में तेज धूप से बचने और अपने साथ पीने का पानी लेकर चलने की सलाह विशेषज्ञ दे रहे हैं। जिससे पसीना निकलने से डिहाइड्रेशन की स्थिति न आए। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र का कहना है कि मार्च में अभी तापमान और बढ़ेगा। इसलिए गर्मी से बचने के लिए उपाय करें।

अधिक से अधिक पानी और तरल पदार्थ जैसे शिकंजी, नीबू पानी, लस्सी, छाछ का सेवन करें। जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। वहीं बालरोग विशेषज्ञ डा. राजेंद्र कुमार ने धूप से बच्चों को बचाने की सलाह दी है। कहा बहुत जरूरी होने पर ही बच्चों को दोपहर में घर से बाहर लेकर जाएं। सिर ढककर रखें। सीधी धूप से बचाएं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

वार्षिक गृह परीक्षा की तैयारी में न बरतें शिथिलता, बीएसए ने दिया निर्देश

मुरादाबाद-बेसिक शिक्षा परिषद के जिले के 1408 स्कूलों में पढ़ने वाले दो लाख से अधिक छात्र-छात्राओं की कक्षा एक से आठ तक की वार्षिक गृह परीक्षा 20 मार्च से कराने की तैयारी में शिक्षक और शिक्षाधिकारी जुटे हैं। बीएसए ने इसमें कोई शिथिलता न बरतने का निर्देश दिया है। 15 मार्च को छपाई कराकर 18 से इसका वितरण स्कूलों में खंड शिक्षाधिकारियों की निगरानी में होगा। सचिव बेसिक शिक्षा प्रताप सिंह बघेल के द्वारा जारी कार्ययोजना के अनुसार कक्षा एक से आठ तक के

कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा कराई जानी है। जिला स्तर पर कक्षा एक से पांच और कक्षा छह से आठ तक के प्रश्नपत्रों को बनाने के बाद इसकी छपाई 15 मार्च तक छपाई कर 18 को स्कूलों में खंड शिक्षाधिकारी की निगरानी में स्कूलों में पेपर पहुंचेगा। वार्षिक गृह परीक्षा दो पालियों में सुबह 9:30 से दिन में 11:30 बजे तक और दूसरी पाली में 12:30 से 2:30 बजे तक 20-24 मार्च तक कराई जाएगी। जबकि 26-30 तक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कर 31 मार्च को रिपोर्ट कार्ड का वितरण सभी स्कूलों में किया जाएगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बुद्ध प्रिय सिंह का कहना है कि सचिव के द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार वार्षिक परीक्षा कराने के लिए प्रबंध किए जाएंगे। इसमें कोई शिथिलता न बरतने का निर्देश दिया है। वह स्वयं इसकी मानीटरिंग कर रहे हैं। खंड शिक्षाधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को इस अनुरूप कार्य करना है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

इसौली में पारंपरिक तीज मेला का जलेसर विधायक ने फीता काटकर किया शुभारंभ

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-जनपद एटा के विकास खंड अवागढ़ के गाँव इसौली में सैकड़ों वर्षों से पारंपरिक रूप से होली के बाद तीज के दिन मेला का आयोजन होता चला आ रहा है। जिसे तीज मेला इसौली के नाम से मशहूर मेला माना जाता है। इस मेले की धमक जनपद एटा और आस पास के जिलों के अलावा अलीगढ़, मेरठ, कानपुर, इलाहाबाद और मुम्बई तक है। दूर दूर से दुकानदार इसौली आकर तीज मेला में अपनी अपनी दुकानें लगाते हैं। मेला में तीन चार तरह के झूले भी लगाए जाते हैं। जलेसर क्षेत्र के ग्रामीण भारी संख्या में इस मेले में सहभागिता करते हैं। ग्रामीण क्षेत्र का मशहूर मेला होने के कारण भारी भीड़ होने के चलते पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। मेले में बूढ़ों, बच्चों, पुरुषों और महिलाओं का भारी जनसैलाब उमड़ा दिखाई दिया। मेला में सकरौली पुलिस ने काफ़ी मशक्कत करते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी। जगह जगह रखी जलेबियाँ मेले की शोभा बढ़ा रही थीं। बंशी वाले मन्दिर में पूरे दिन भजन कीर्तन चलता रहा लोकगायक जुगेन्द्र फक्कड़ ने भजन कीर्तन और लोकगीतों से शमां बांध दिया। तीज मेला इसौली का जलेसर के स्थानीय विधायक संजीव दिवाकर ने वंशी वाले मन्दिर पर फीता काटकर शुभारंभ करते हुए हजारों साल पुराने बंशी वाले मन्दिर में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विधायक संजीव दिवाकर के साथ आए गणमान्य लोगों का क्षेत्रीय लोगों ने फूल मालाएँ पहनाकर ज़ोरदार स्वागत किया। क्षेत्रीय विधायक संजीव दिवाकर के साथ भाजपा के पूर्व एमएलसी प्रत्येन्द्र पाल सिंह पप्पू भैया, रेलवे बोर्ड सदस्य रमेश पाल सिंह रामूजी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा सचिन उपाध्याय, अवागढ़ चेयरमैन महेश पाल सिंह, पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश सरानी, मण्डल अध्यक्ष भाजपा नवीन दीक्षित, पूर्व जिला महामंत्री भाजपा अरविन्द पाल सिंह पप्पू जी, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल प्रताप सिंह बना जी, राजबीर प्रधान, शिवम शुक्ला, पवन पाठक, अंशू हिन्दू, पुष्पेन्द्र बघेल समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

सम्मान की पात्र हैं भारतीय महिलाएं -डॉ0 सुनीता सक्सेना

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अधिवक्ता परिषद जिला इकाई एटा की बैठक सरस्वती शिशु मंदिर रेलवे रोड एटा पर संपन्न हुई। इस अवसर पर नारी सशक्तिकरण, वैधानिक, उपचार एवं आवश्यक प्रयास ,विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की मुख्य अतिथि एटा की समाज सेविका डॉ0सुनीता सक्सेना पूर्व प्राचार्य रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदित्य मिश्रा एडवोकेट ने की। विशिष्ट अतिथि सुभाष चंद्र शर्मा एडवोकेट, संध्या भारती एडवोकेट रहे, कार्यक्रम का संचालन हिमांशु ने किया। इस अवसर पर जिला शासकीय अधिवक्ता रेशपाल सिंह राठौर, जिला विशेष लोक अभियोजक अधिकारी डकैती प्रवेश भारद्वाज एडवोकेट, वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज कुमार एडवोकेट, देवेंद्र कुमार लोधी एडवोकेट ,श्रीमती सरिता एडवोकेट, सीमा वाष्णेय रही। इस अवसर पर नारी सशक्तिकरण के लिए अतिथि संध्या भारती एडवोकेट ने कहा कि नारियों को कानून की जानकारी भी अत्यंत आवश्यक है उन्होंने धारा 354 को विस्तृत रूप से उसका वर्णन किया ।और पुलिस डायल 112 नंबर 1090 नंबर महिला हेल्पलाइन के बारे में भी अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जानकारी दी। इस अवसर पर प्रवेश भारद्वाज एडवोकेट ने कहा कि महिला शक्ति और सशक्तिकरण तभी संभव है जब हम एकजुट होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध करें, और उसके लिए सुधार हेतु प्रयास भी करें। वरिष्ठ अधिवक्ता और कार्यक्रम के अतिथि सुभाष चंद्र शर्मा एडवोकेट ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बनाए रखने के लिए हमें लगातार प्रयास जारी रखने होंगे, इसी के साथ हमारे समाज में किसी भी प्रकार की व्याप्त कुरीतियों को दूर करना होगा ,और भारतीय संस्कृति के परिपेक्ष में उनको विस्तार से समझना होगा, और उसकी व्याख्या करनी होगी,तब हम आज विश्व महिला दिवस के अवसर पर नारी सशक्तिकरण की बात सही से कह पाएंगे, कार्यक्रम के वरिष्ठ अधिवक्ता डीजीसी क्रमिनल रेषपाल सिंह राठौर ने कहा कि नारी सशक्तिकरण आज का मुख्य विषय है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि हम सबको मिलकर समाज में व्याप्त कुरीतियों से लड़ना होगा और इनको दूर करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य मिश्रा एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ता परिषद ब्रज क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की आयोजित गोष्ठी में हम नारी शक्ति सशक्तिकरण पर बात कर रहे हैं, जो एक संगीन विषय है। भारतीय नारियों को कानून की ठीक से जानकारी होनी चाहिए,छात्र जीवन से ही कानून के बारे में बालिकाओं को जानकारियां दी जाएं तो उनका होने वाला भविष्य में उत्पीड़न रुक सकता है। न्यायपालिका और कार्यपालिका मिलकर कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए कार्य करती है फिर भी लगातार आयोजन महिलाओं पर हो रहे अत्याचार की घटनाएं समाचार पत्रों के माध्यम से देखने और सुनने को मिलती हैं जो बड़ी दुखद होती है। कार्यक्रम में उपस्थित अलका गुप्ता ,साधना त्रिपाठी ,जागृति चतुर्वेदी, गरिमा शर्मा, अंजली गुप्ता एवं स्कूल की सैकड़ों छात्राओ ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सीबीसीआईडी की टीम ने खंगाले बालकराम हत्याकांड से जुड़े दस्तावेज

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-बालकराम हत्याकांड में जांच के लिए वगत दिवस को सीबीसीआईडी की टीम एटा पहुंचे। इस हत्याकांड से जुडे कई दस्तावेजों की तलाश की। कई दस्तावेज तो मिल गई, लेकिन कुछ नहीं मिल सके है। दो दिन से यह अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। जानकारों की मानें तो कुछ अहम दस्तावेज नहीं मिल पा रहे है। शुक्रवार को आगरा से सीबीसीआईडी टीम के दो अधिकारी जिला मुख्यालय पर पहुंच गए। पहले तो उन्होंने कलक्ट्रेट पर पहुंचे। यहां पर बालकराम से जुड़े हुए मजिस्ट्रेटी जांच संबंधी कागजों की तलाश की। काफी समय यहां पर रुकने के बाद पूरे दस्तावेज नहीं मिल सके। यहां से टीम पुलिस कार्यालय पर पहुंच गई। करीब दो घंटे तक पुलिस कार्यालय पर टीम ने दस्तावेजों को खंगाला। सूत्रों की मानें तो अभी तक टीम को वह सभी जरुरी कागज नहीं मिल पाए है जिनकी जरुरत है। उस समय पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई भी देखी जा रही है। इस मामले में पोस्टमार्टम की सीडी पहले ही गायब हो चुकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी तलाशी जा रही है। बालकराम का दो बार पोस्टमार्टम हुआ था। दोनों रिपोर्टों में क्या भिन्नता थी यह भी जांच का विषय है। जब दो बार पोस्टमार्टम हुआ तो कोई चोटें मिली या नहीं। अगर चोटे थे तो किस तरह की थी। इन सभी तथ्यों को देखा जा रहा है। मालूम हो कि मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर इस मामले की जांच कराई जा रही है। इसमें शीघ्रता से जांच पूरी कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए थे।

श्री कृष्ण रास लीला के साथ हुआ होली मिलाप

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-खण्डेलवाल मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित शहर के जनप्रतिनिधि सहित प्रतिष्ठित नागरिक बड़ी संख्या में हुए शामिल खण्डेलवाल युवा संघ एवं खण्डेलवाल वैश्य समिति द्वारा हिन्दु समाज में एकजुटता, सदभावना और भाईचारा लाने के लिए खण्डेलवाल होली मिलन समारोह शनिवार को लावण्या रिसोर्ट, में सम्पन्न हुआ। जिसमें मण्डल भर के जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस मौके पर श्री कृष्ण रास लीला एवं विभिन्न सांसकृतिक कार्यक्रमों के साथ ही विद्यार्थियों के मनोबल बढ़ाने के लिए मेधावी सम्मान समारोह तथा टैलेन्ट राउन्ड इत्यादि आयोजित हुए, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों सहित जन प्रतिनिधियों ने विजेताओं को पुरूस्कृत किया।
होली मिलन कार्यक्रम के दौरान सभी ने बड़े प्रेम से एक दूसरे से होली मिली और युवाओं ने अपने बड़ों का आर्शीवाद लिया। इस मौके पर संजीव अग्रवाल, कैंट विधायक, डाक्टर अरूण कुमार, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री स्वतंत्रप्रभार, संतोष गंगवार, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, सांसद डा. एम.पी.आर्य, विधायक नवाबगंज, डा उमेश गौतम, महापौर बरेली, प्रो. श्यामबिहारी लाल, विधायक, फरीदपुर बरेली, मौजूद रहे। प्रमुख आयाजको में डा. विनय खण्डेलवाल, केसीएमटी, हर्ष खण्डेलवाल, दिलीप खण्डेलवाल, राजेश खण्डेलवाल, अंशुल खण्डेलवाल, कपिल खण्डेलवाल, रामकेश्व खण्डेलवाल, राजू खण्डेलवाल,मोहित खण्डेलवाल, विकास खण्डेलवाल आदि रहे मौजूद रहे।

होली के त्योहार की उपयोगिता जाने-श्रीमती किरन

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-एस्ट्रो व्यूटी थैरेपी के तत्वावधान में शान्ति नगर कार्यालय पर होली कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस अवसर पर सभी आयुवर्ग की सखियों ने जमकर होली खेली अर्थात एक दूसरे ने आपस में सौभाग्य रंगों से उबटन किया ।टेसू, कटेरी एवं ज्योतिष पदार्थों से घुलें पानी से जमकर नहाया गया।इस अवसर पर एस्ट्रो व्यूटी थैरेपी की निदेशक किरन ने बताया कि होली के उत्सव में नवयोवन बनने का तरीका छिपा है, जिसे हम पिछले 5 बर्षों से खोज रहे हैं। कहानियां मे होली को अग्नि देवता के वरदान को हम विशेष जानकारी के रूप में मानते हैं, जैसे आज सखी नवयोवन पाने को फेशियल करातीं हैं।हम अखिल भारतीय सांस्कृतिक होली कार्यक्रम पर परिस्थितिजन्य शोध कार्य कर रहे हैं।हम निश्चित ही कुछ समय में होली यौवनावस्था तकनीकी से परचित हो जायेंगे। इस अबसर पर श्रीमती राममूर्ति देवी ने बताया कि देसी जडीबुटी या अपनी संस्कृति में छिपी तकनीक को खोजने में किरन पूरी निष्ठा से प्रयत्नशील है।इस अबसर पर रंजना, मंजू, सीता, पूनम, रिचा, ज्योति,सुरभि, अंजली, पल्लवी, मोना ,विधी ,नंदनी, रिया आदि सखियाँ एवं डा.रविंद्र सिंह, पंकज कुमार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
बिना किसी सिक्यूरिटी के आवश्यकता है
डेली अखबार
सभी जिलो में व्यूरो ,स्थानीय रिपोर्टर ,विज्ञापन प्रतिनिधि की
क्यूँ न लिखूं सच
9027776991
KNLS LIVE न्यूज चैनल और दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच ज्वाइन कीजिये
* वेलकम किट लेना अनिवार्य है

तमंचे के बल पर लूटा मोबाइल

लवकुश ठाकुर
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ- जलाली चौकी अंर्तगत गांव अलहदादपुर में बाइक सवार युवक पर बदमाश ने तमंचा तानकर मोबाइल, नगदी व कागजात लूट ले मामले में दो गांव के व दो अज्ञात के विरूद्ध तहरीर दी गई है। हरदुआगंज-गांव अहलदादपुर के अमित पुत्र चंद्रपाल सिंह बताया कि की वह पनैठी से घर लौट रहा था। गांव के पास पार्क निकट पहुंचा, पार्क के पास चार युवक खड़े थे। बाइक उनके बराबर में आते ही एक बदमाश ने चलती बाइक में लात मारकर अमित को गिरा लिया। तमंचा तानकर जेब में रखा मोबाइल, 200 रुपये लूटकर भाग गए। अमित ने अलहदादपुर के दो युवक व दो अज्ञातों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। आरोपितों में एक गैंगस्टर में दर्ज अपराधी बताया गया है। एसएचओ ब्रजपाल सिंह ने बताया कि घटना की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ग़रीब बच्चों के मसीहा बने गिरजा शंकर पंत

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-मां सरस्वती की असीम कृपा से एस0के0 पब्लिक स्कूल में कार्यरत रसायन विज्ञान के प्रवक्ता गिरजा शंकर पंत के द्वारा सी0बी0एस0ई, बोर्ड में कक्षा- 12 वीं के रसायन विज्ञान का गैस पेपर बनाया जिसमें कुल 25 प्रश्न दिए जिनमें से 22 प्रश्न परीक्षा में आ गए। प्रवक्ता गिरजा शंकर पंत विगत 15 वर्षों से रसायन विज्ञान की शिक्षा बच्चों को दे रहे हैं। वे कमजोर और दुर्बल वर्ग के बच्चों को प्रत्येक दिन विद्यालय के बाद नि:शुल्क ऑनलाइन पढ़ाई भी करवाते हैं। उनके पढ़ाए हुए बच्चे आज भारतीय सेना, इंजीनियर, डॉक्टर व अन्य क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। श्री पंत का मानना है ।यह सब मां सरस्वती की प्रेरणा दायक शक्ति से हो रहा है। उनका मानना है कि शिक्षक हमारे समाज के लिए एक रोल मॉडल की भूमिका अदा करता है। इसलिए एक शिक्षक होने के नाते यह हमारा परम कर्तव्य है। श्री पंत की इस उपलब्धि एस0के0 पब्लिक स्कूल के प्रबंधक जगजीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य ब्रजेश भट्ट, कुन्दन वाणी एवं साथी शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उन्हें बधाई दी है।

ताज़ा खबरों के लिए देखे
www.knlslive.com

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा चलाया गया गाँव गाँव जाकर आपकी पार्टी आपका गांव अभियान

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-जनपद एटा में कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा चलाया गया गाँव गाँव जाकर (आपकी पार्टी आपका गांव) अभियान आपको बता दें जनपद में कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत आज एटा के मिशन कंपाउंड में कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के द्वारा चलाया गया अभियान मिशन कंपाउंड में मोहम्मद इरफान एडवोकेट पीसीसी द्वारा लगाए सरकार पर सादा सीधा निशाना कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा चला एक विशेष अभियान जिसमें कांग्रेस का मान ना है कांग्रेस सिर्फ़ शहर की पार्टी

बन कर रह गई है कांग्रेस पार्टी का कहना है कांग्रेस है जन जन की पार्टी इस लिए कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा गाँव में चलाया अपना आपकी पार्टी आपका गाँव का अभियान महँगाई और ब्रोज़गारी के लिये भी उत्तर प्रदेश कांग्रेश कमेटी सदस्य पीसीसी इरफ़ान एडवोकेट

सीसीटीवी कैमरे में होगी मुलाकात साथ ही मिलने आने वाले लोगों की मोनीटरिंग भी की जाएगी

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

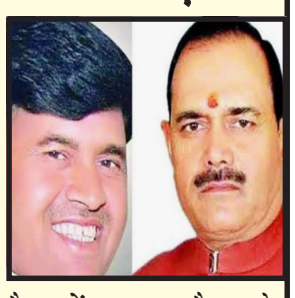

एटा-सीसीटीवी कैमरे में घरवालों की मुलाकात होगी साथ ही मिलने आने वाले लोगों की मोनीटरिंग भी की जाएगी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेन्द्र सिंह यादव के जेल पहुंचने के बाद पहले से ओर ज्यादा सख्ती कर दी गई है। हालांकि शुक्रवार को कोई भी मिलने नहीं आया है। बता दें कि लूट, छेड़खानी, पिटाई के मामले में सपा नेता जुगेन्द्र सिंह यादव को गुरूवार को जेल भेजा गया था। नगर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई के बाद उन्हे जेल भेजा था। इन्हें बैरक में रखा गया है। इनके पहुंचने के बाद सख्ती ओर बढ़ा दी गई है। जिला जेल में इनसे मिलने आने वाले प्रत्येक मुलाकाती की मॉनिटरिंग की जाएगी। सामान्य बंदियों के तरह ही इनकी भी मुलाकात कराई जाएगी। हालांकि पहले दिन कोई भी इनसे नहीं मिलने पहुंचा है।

पुराने मकान की छत गिरी एक की मौत तीन घायल

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- देर रात पुराने मकान की छत गिरी एक की मौत तीन घायल, दो घायलों बच्चों का मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी एक 32 वर्षीय महिला को हायर सेंटर किया गया रेफर, रिश्तेदारी में आई 20 वर्षीय सोनम पुत्री कालीचरण की हुई मौत, सुमन पत्नी संजय को गंभीर हालत में हायर सेंटर किया गया रेफर ,देर रात पूर्णागिरि से यात्रा कर लौटे थे घर वापस, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को मेडिकल कॉलेज भेजा, कोतवाली देहात के अंतर्गत गांव चीलासनी का पूरा मामला

रामप्रकाश महेरे जी पूर्व नगर संचालक आर एस. एस. का बीमारी के चलते निधन

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- सोरों-दुखद:समाचार आज हमारे बड़े भाई ज़िला संबादाता अश्वनी महेरे के पिता जी श्री मान रामप्रकाश महेरे जी पूर्व नगर संचालक आर एस. एस. का बीमारी के चलते निधन हो गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ती प्रदान करें और उनके परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति दें

तैलिक साहू राठौर महासभा संगठन का होली मिलाप समारोह आज

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा संगठन बरेली द्वारा रविवार को संजय कम्युनिटी हॉल में प्रात: 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक विशेष होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेश नंदलाल साहू , उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता , उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरुजी , डॉ पीपी माथुर प्रदेश महामंत्री संगठन भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तर प्रदेश बरेली आदि मौजूद रहे।

17 से 27 मार्च तक भाजपा चलायेगी बूथ सशक्तिकरण अभियान

मेरा बूथ सबसे मजबूत से निकलेगा जीत का रास्ता - राकेश चतुर्वेदी

ग्यासुद्दीन
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

जीपीएम-भारतीय जनता पार्टी एक-एक बूथ को मजबूत करने पूरी ताकत झोंकने की रणनीति पर काम कर रही है . आगामी 17 मार्च से 27 मार्च तक दस दिवसीय बूथ सशक्तिकरण अभियान भाजपा समूचे छत्तीसगढ़ में चलायेगी ,जिसमें शक्ति केन्द्रवार अल्पकालीन विस्तारक की तैनाती की जा रही है, जो प्रत्येक बूथ में पहुचेंगे और कार्यकर्ताओं से मिल कर सशक्त बूथ की तैयारियों को अंतिम रूप देंगे . इसी कड़ी में शुक्रवार एवम शनिवार को भाजपा मण्डल सेमरा एवम पेण्ड्रा ग्रामीण में बूथ सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया .उक्त कार्यशाला में मण्डल के सभी पदाधिकारी,शक्तिकेन्द्र के विस्तारक ,प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक , जिला एवं मण्डल की बूथ सशक्तिकरण अभियान की टीम सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष ,महामन्त्री, सयोजक ,सह सयोजक बूथ,पूरे जिले व मण्डल की पूरी आई.टी.सेल एवं सोशल मिडिया की टीम उपस्थिति रही. कार्यशाला में मुख्य वक्ता राकेश चतुर्वेदी जिला महामंत्री ने अभियान की बारीकियों की विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि चंद महिनों बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने है,जीत का रास्ता बूथ से ही निकलता है .हर एक बूथ को मजबूत बनाने 17 मार्च से 27 मार्च तक दस दिवसीय अभियान प्रदेश संगठन ने निर्धारित किया है.7 बड़ी गंभीरता से इस बड़े कार्य को पूर्ण करना है,प्रत्येक बूथ में किये गये कार्यो का सत्यापन भी किया जायेगा उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा लगाकर कार्य करें, बूथ जीता तो चुनाव जीता इस ध्येय वाक्य को आत्मसात करें.राष्ट्रपति महामहिम द्रौपती मुर्मू के अभिभाषण की आमजनता तक पहुंचाने की बात कही चतुर्वेदी ने आगामी 15 मार्च को मोर जमीन मोर आवास कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा घेराव में अधिकतम संख्या में भाग लेने को कहा कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता,डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पं.दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र में माल्यार्पण ,दीप प्रज्ज्वलन एवं वन्देमातरम के गायन से हुआ.जिला उपाध्यक्ष कुबेर सराठी ने अपने संबोधन में कार्ययोजना की विषय वस्तु को सामने रखा .कार्यशाला को जिला कोषाध्यक्ष मुकेश दुबे, ने भी सम्बोधित किया. संचालन जिला महामंत्री लालजी यादव ने एवं आभार प्रदर्शन जिला कोषाध्यक्ष मुकेश दुबे ने किया. कार्यशाला में मुख्य रूप जिला मंत्री दिनेश मरावी,छोटेलाल सोनी,डॉ.लुशनसिं राजकुमार पूरी अजय तिवारी शिव गुप्ता दुर्गेश यादव गीता राठौर राधे जैसवल सन्तोष यादव रमा राठौर श्याममिलन अशोक साहू सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पी0आर0डी0 स्वयं सेवको के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तिथि 31 मार्च

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने बताया है कि महानिदेशक प्रान्तीय रक्षक दल/विकास दल एवं युवा कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार जिन पी0आर0डी0 स्वयंसेवकों का अद्यतन तिथि तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका है, उनके लिए अन्तिम तिथि 31 मार्च, 2003 निर्धारित करते हुए प्राप्त आवेदन को ऑनलाइन पंजीकरण किया जाना है।

इस आशय की जानकारी देते हुए जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी के0एस0 मिश्रा ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से वंचित पी0आर0डी0 स्वयं सेवकों को सूचित किया है कि जिन जवानों का कोड नम्बर नामिनल रोल रजिस्टर में अंकित है, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु कार्यालय जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी विकास भवन, श्रावस्ती से निर्धारित रजिस्ट्रेशन फार्म प्राप्त कर समस्त अभिलेखों की छायाप्रति को स्व प्रमाणित कर संलग्न कर रजिट्रेशन फार्म भरने के उपरान्त 31 मार्च, 2023 तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में जमा कर दें,

साथ ही पंजीकरण फार्म के साथ समस्त अभिलेख मूल रूप से अंकपत्र, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, विभागीय परिचय पत्र, वर्दी में पासपोर्ट साइज फोटो तथा बैंक पासबुक साथ लाए, ताकि उनका रजिस्ट्रेशन ससमय किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि 31 मार्च, 2023 को सायं 05 बजे के बाद किसी भी पी.आर.डी. स्वयं सेवकों के ऑनलाइन किये जाने हेतु पंजीकरण फार्म/प्रार्थना पत्र किसी भी दशा में स्वीकार नही किया जायेगा।

टिकैत परिवार को धमकी देने वाला गिरफ्तार, आरोपी ने पुलिस पूछताछ में उगला सच

टिकैत परिवार को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार हो गया है। पुलिस ने उसे दिल्ली से दबोचा है। वहीं आरोपी ने पुलिस पूछताछ में सच उगल दिया। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत के परिवार को धमकी देने के मामले में पुलिस ने हरियाणा के युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने नशे की हालत में कॉल की थी। बम से उड़ाने की बात की पूछताछ में पुष्टि नहीं हो सकी है। मुजफ्फरनगर में भौराकलां पुलिस ने इस

मामले में सोनीपत के धनाना गांव निवासी और वर्तमान में नजफगढ़ में रह रहे विशाल को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। बताया गया कि उसने जस्ट डायल से गौरव टिकैत का नंबर प्राप्त कर कॉल की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। पुलिस का दावा है कि विस्तृत पूछताछ में बम से उड़ाने और जान से मारने की योजना की पुष्टि नहीं हुई है।

पति पत्नी ने की आत्महत्या, फंदे पर मिला युवक का शव, पत्नी चारपाई पर मृत मिली, दरवाजा तोड़कर निकाले

लवकुश ठाकुर-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ- अलीगढ़ जिले में बरला क्षेत्र के गांव दतावली में दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव पंखे से लटका था। जबकि पत्नी चारपाई पर मृत पड़ी थी। उसके गले पर निशान थे। दरवाजा अंदर से बंद था। चर्चा है कि दोनों ने आत्महत्या की है। लेकिन, प्राथमिक जांच के आधार पर पुलिस का कहना है कि संभवत युवक ने पत्नी को गला दबाकर मार दिया। फिर खुदकुशी कर ली। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट होगा।

सात वर्ष पहले हुई थी शादी

गांव दतावली के भूपसिंह मजदूरी करते हैं। उनका 30 वर्षीय बड़ा बेटा बबलू भट्ठे पर मजदूरी के अलावा ट्रैक्टर चलाता था। सात वर्ष पहले बबलू की शादी कासगंज के थाना सहावर क्षेत्र के गांव मुरली नगला निवासी रानी के साथ हुई थी। इनके दो बच्चे हैं। शादी के कुछ समय बाद बबलू के अपनी साली पार्वती से प्रेम संबंध हो गए। दोनों ने भागकर शादी कर ली। दो वर्ष से दोनों गांव में ही पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे। इन पर तीन बेटियां हैं। इधर, पहली पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर मायके में रहने लगी। पुलिस के मुताबिक, बबलू शराब पीने का आदी था। इसी बात पर बबलू व पार्वती के बीच झगड़ा होता था।

दोनों में हुआ विवाद

ग्रामीणों के मुताबिक दोपहर में दोनों में विवाद हुआ। बबलू ने पार्वती के साथ मारपीट कर दी। इसके बाद ईंटों का ट्रैक्टर-ट्रोला लेकर अलीगढ़ चला गया। इसके पीछे महिला ने कमरा बंद कर पंखे लटककर जान दे दी। ग्रामीणों ने शव उतार लिया और फोन से बबलू को जानकारी दी वह घर लौटा तो कमरे में पत्नी का शव चारपाई पर पड़ा देखा। इसके बाद उसने भी पंखे पर फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर इंस्पेक्टर सुबोध कुमार मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

हत्या की मिली थी सूचना

किसी ने डायल-112 पर सूचना दी थी। बताया था कि महिला की हत्या कर दी गई है और उसके अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है। पुलिस जब पहुंची तो महिला का शव चारपाई पर पड़ा था। उसके गले पर निशान भी थे। इस पर अनुमान लगाया गया कि महिला की हत्या कर युवक ने आत्महत्या की है। लेकिन, रात तक ग्रामीणों से पूछताछ के बाद पता चला कि दोनों ने आत्महत्या की है। युवक का शव फंदे पर लटका मिला था। इससे स्पष्ट है कि उसने आत्महत्या की है। महिला का शव चारपाई पर पड़ा था। उसके गले पर निशान थे। इससे प्रतीत हो रहा है कि उसका गला दबाया गया हो। लेकिन, गांव में चर्चा ये भी है कि दोनों ने आत्महत्या की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों की मौत का कारण स्पष्ट होगा। पलाश बंसल, एसपी देहात

चुनाव की आहट से प्रत्याशियों की बढ़ी बेचैनी, वोटरों को साधने की कवायद शुरू

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- रिठौरा-नगर पंचायत चुनाव की अप्रैल -मई में चुनाव की सुगबुगाहट से चुनावी चर्चा में गर्मी आ गई है। अचानक होली के रंग अभी छूटा नहीं वोटरों पर चुनावी खुमार सवार होने लगा।वजह साफ है।आरक्षण को लेकर उत्पन्न वजह से प्रत्याशियों ने वोटरों से मिलना कम कर दिया। चुनावी दावतें भी बन्द हो गयीं। लेकिन आरक्षण फार्मूला अब तैयार है।केवल माननीय कोर्ट में पेशी बाकी है।और उसके बाद चुनाव ही चुनाव है।इसी को? ध्यान में रखकर प्रत्याशी फिर तेजी से होली मिलाप के बहाने ही सही घर-घर वोटरों के दस्तखत दे रहे हैं। वहीं वोटरों की आवभगत भी शुरू हो गई है। लेकिन वोटर भी बड़ी होशियारी से सभी प्रत्याशियों को गले लगाकर उन्हें चुनाव में विजयी होने का आशीर्वाद दे रहा है। हालांकि आरक्षण को लेकर यदि कोई बदलाव हुआ तो कई प्रत्याशी चुनाव की दौड़ से बाहर नज़र आएंगे।

परिषदीय विद्यालयों के भवन पुनर्निर्माण की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रेमचंद जायसवाल -दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में जनपद के परिषदीय विद्यालयों भवन के पुनर्निर्माण की प्रगति समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माणदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाकर निर्माण कार्यो को जल्द से जल्द प्रारम्भ कराया जाए, ताकि परिषदीय विद्यालयों का संचालन व्यवस्थित ढंग से किया जा सके। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि परिषदीय विद्यालयों के भवन के पुनर्निर्माण हेतु शासन द्वारा गठित समिति द्वारा चयनित निर्माणदायी संस्था को परिषदीय विद्यालयों के भवन का पुनर्निर्माण का कार्य कराये जाने के लिए कार्यवाही की जा रही है। जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्र0खण्ड को निर्देश दिया कि निविदा खोले जाने उपरान्त तत्काल निर्माण कार्य प्रारम्भ कर तेजी से कार्य कराये जाएं तथा तकनीकी समिति से सत्यापन/जाँच भी कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह, अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्र0 खण्ड अनवारूल हक, जिला समन्वयक सपना सोनी, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ का निराशाजनक बजट

इस बार भरोसे का बजट ऊंट के मुंह में जीरा जैसा - यादव

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर-ओड़गी - जिले के भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल ओड़गी के मीडिया प्रभारी प्रियंशु यादव ने इस बार के छत्तीसगढ़ के भरोसे के बजट को काफ़ी निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि इस बार का बजट ऊंट के मुंह में जीरा जैसा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने इस भरोसे के बजट में प्रदेश के बेरोजगार युवाओं व हर वर्ग को ठगने का काम किए हैं, छः लाख तक की आय प्राप्त करने वाले परिवार को गरीबी रेखा के नीचे माना जाता था। परंतु बेरोजगारी भत्ता ज्यादा लोगों को ना देने देना पड़े इसलिए भूपेश बघेल सरकार ने ढाई लाख रुपए तक के आय वाले परिवार के बेरोजगार युवाओं को ही बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रही है।जो युवाओं के साथ सरासर धोखा है कांग्रेसियों ने हाथ में गंगाजल लेकर जो जो कसमें खाई थी, उसे आज तक पूरा नहीं किए हैं।आज तक भूपेश बघेल की सरकार ने बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकी है। कांग्रेस शासन 2018 के आम चुनाव में अपने जनघोषणा पत्र में गंगाजल की सौगंध खाकर जनता से शराबबंदी का वादा करके सत्ता में आई थी, परन्तु वह वादा आज तक पूरा नहीं हुआ.

आज प्रदेश के 16 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास से प्रदेश की गरीब जनता वंचित है ।

यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा छआठ महीने में चुनाव है बाकी जनता अर्श से फर्श में लाना भी जानती है।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइस से टकराई मौके पर मौत

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- थाना क्षेत्र मल्हीपुर के अंतर्गत ग्राम प्रतापपुर दा0 कानीबोझी के निवासी नईमपुत्र वारिश आवश्यक कार्य हेतु सन्तलिया की तरफ गए हुए थे । जो घर से वापस आते समय सागरगांव के पास बांध पर गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से लड़ गई । ओर नईम सड़क पर गिर गया । जिससे काफी चोटे आयी और खून से लतपत हो गया । बंधे पर चलने वाले ग्रामीणों ने देखकर पुलिस को सूचना दिया । और पुलिस ने परिजनों को भी सूचना दी । मौके पर मल्हीपुर की पुलिस पहुच कर शव को कब्जे पोस्टमास्टम के लिए भेज दिया

15 मार्च को विधानसभा घेराव को लेकर बैठक कर बनी रणनीति

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर-बिहारपुर- प्रदेश संगठन के आह्वान पर सूरजपुर जिले के निर्देशानुसार 15 मार्च को विधानसभा घेराव को लेकर भाजपा मंडल बिहारपुर चांदनी के मंडल कार्यकारिणी बैठक किया गया जिसमें शक्ति केन्द्र समयदानी मंडल सशक्तिकरण की टीम शक्ति केन्द्र प्रभारी संयोजक सहसंयोजक बूथ अध्यक्ष पालक का बैठक कर 15 मार्च को होने वाले रायपुर विधानसभा घेराव जाने बूथो में दीवार लेखन करवाने 17 मार्च से लेकर 27 मार्च तक समयदानीयो को पोलिंग बूथ शक्ति केन्द्र के माध्यम से बैठक कर 10 दिवस के भीतर बूथों पर डाटा तैयार करने को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही साथ होली मिलन का भी कार्यक्रम रखा गया था रंग गुलाल लगाकर खूब होली मनाई गई दौरान भाजपा मंडल प्रभारी लालसंतोष सिंह अध्यक्ष रामेश्वर बैस सह प्रभारी शिवप्रसाद सिंह जिला विशेष आमंत्रित सदस्य अवध कुमार पाठक महामंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता हंसेलाल जायसवाल उपाध्यक्ष सियाराम नाई विजय गुर्जर, बैकुंठ जायसवाल छोटेलाल यादव लक्ष्मण जायसवाल देवेन्द्र गुप्ता बीपी जायसवाल रामेश्वर गुप्ता प्रेमलाल विश्वकर्मा शिवधन गुप्ता श्याम नारायण बैस रामबिहारी बैस विनोद कुमार गुप्ता जगदीश यादव रामनारायण सिंह जगप्रसाद सिंह रामनरायण यादव भानू गुप्ता सतेन्द्र कुमार जायसवाल अरूण यादव लालमन सिंह श्यामाचरण जायसवाल राजेश्वर जायसवाल गुरूदयाल सिंह रामकुमार जायसवाल रामचरण काशी मनराखन सिंह शंकरदयाल पंडो सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लकडकट्टो के हौसले इतने बुलंद की सागवान के 7 पेड़ काटकर रातों-रात किया गायब

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- श्रावस्ती गिरंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौसपुर चौराहा के पास खेत में लगे तीन दर्जन सगवान के पेड़ो को लकड़कट्टो के द्वारा बिना परमिट के करीब आधा दर्जन से अधिक सगवान के पेड़ो को रातो रात काटकर धरासाई कर दिया।

श्याम सुंदर आर्य के खेत में लगे सगवान के अवैध पेड़ो की कटान की स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के वन दरोगा अजय कश्यप व थाना गिरंट की पुलिस ने मौक़े पर पहुंचकर काटे गये बुटो को कब्जे में ले लिया और कार्यवाही शुरु किया। वही मौक़े से लकड़कट्टे फरार हो गये। इस संबंध में वन दरोगा अजय कश्यप ने बताया 7 पेड़ सगवान की अवैध कटी हुई पेड़ो की लकड़कट्टे के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

योजनाबद्ध तरीके से सोसायटी से पीडीएस का चावल, शक्कर व चना चोरी करने वाले अंतरजिला चोर गिरोह का सूरजपुर पुलिस ने किया खुलासा

1 स्वीफ्ट कार, 3 पिकअप वाहन, चोरी का चावल व शक्कर सहित 7 आरोपी गिरफ्तार

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर- चौकी खड़गवां व लटोरी क्षेत्र स्थित सोसायटी से लगातार योजनाबद्ध तरीके से पीडीएस का चावल, शक्कर व चना चोरी करने के मामले में पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा 7 आरोपियों सहित 1 स्वीफ्ट कार, 3 पिकअप वाहन, चोरी का चावल व शक्कर बरामद करने में सफलता अर्जित किया है। लगातार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा करने पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने पुलिस टीमों की सराहना की है। लटोरी चौकी क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कल्याणपुर सोसायटी से दिनांक 13.02.23 को 95 बोरी पीडीएस चावल की चोरी, 1 मार्च को चौकी खड़गवां क्षेत्र के ग्राम जगरनाथपुर से 174 बोरी पीडीएस चावल, 14 बोरी शक्कर एवं 28 बोरी चना की चोरी तथा 3 मार्च को चौकी लटोरी अन्तर्गत ग्राम गंगापुर सोसायटी से 196 बोरी चावल, 18 बोरी चना व 10 बोरी शक्कर को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सोसायटी का ताला तोडकर चोरी करने संबंधी रिपोर्ट सोसायटी संचालकों द्वारा किए जाने पर चौकी लटोरी में अपराध क्र. 46/23, चौकी खड़गवां में अपराध क्रमांक 52/23 तथा चौकी लटोरी में अपराध क्र. 61/23 धारा 457, 380 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने सोसायटी से खाद्यान सामग्री की योजनाबद्ध तरीके से चोरी करने वाले आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तारी करने के लिए थाना जयनगर, चौकी लटोरी व खड़गवां की संयुक्त टीम गठित कर लगाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों के द्वारा लटोरी, अम्बिकापुर के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, कंट्रोल रूम अम्बिकापुर व संभावित स्थानों के कई सीसीटीव्ही फुटेज खंगाला गया गया और उसका बारीकी से अवलोकन किए जाने पर तीनों घटनाओं में 1 स्वीफ्ट कार एवं 2 पिकअप वाहनों की संलिप्तता परिलक्षित होने पर उक्त वाहनों के संबंध में जानकारी निकाली गई और सूचना तंत्र को एक्टिव कर लगाया गया। इसी बीच एक सायबर प्रहरी से पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई कि मोहम्मद सद्दाम पिता मोहम्मद हनीफ उम्र 28 वर्ष निवासी शांतीनगर, टिलडेगा, थाना पत्थलगांव एवं उसका 1 साथी ने मिलकर आसपास की सोसायटी से राशन चोरी का प्लान बनाते है जिनका एक गिरोह है और उनके द्वारा ही उक्त तीनों घटना को अंजाम दिया गया है जिसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर मोहम्मद सद्दाम एवं उसके साथी पुरूषोत्तम यादव, लक्ष्मी नारायण यादव, चंद्रभान यादव व प्रफुल्ल एक्का को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने कल्याणपुर, जगरनाथपुर एवं गंगापुर स्थित सोसायटी से चोरी करना बताया जिसमें उसके 2 और साथी के साथ संगठित होकर स्वीफ्ट कार व पिकअप वाहन की सहायता से चोरी करना बताया। चोरी के माल को कैलाश अग्रवाल निवासी चिकनीपानी, बागबहार तथा सागर उर्फ गोलू जायसवाल निवासी सोहगा को विक्रय करना बताया। जिसके बाद कैलाश अग्रवाल व सागर उर्फ गोलू को पकड़ा गया दोनों ने चोरी के माल को खरीदना स्वीकार किया। आरोपी सागर के द्वारा चोरी के अधिकांश चावल को कुबेरपुर-अम्बिकापुर के एक राईस मिल संचालक को विक्रय करना बताया। चोरी की घटना में प्रयुक्त स्वीफ्ट कार क्रमांक सीजी 12 एएल 1239, पिकअप वाहन क्र. जेएच 07 एल 2164, पिकअप वाहन क्र. जेएच 07 एल 9836 एवं पिकअप वाहन क्र. जेएच 07 एल 9982 कीमत करीब 12 लाख रूपये तथा चोरी का चावल 15 बोरी, शक्कर 21 बोरी कीमत करीब 57000 रूपये कुल 12,57,000 रूपये का बरामद कर प्रकरण में धारा 411, 34 भादसं जोड़ी गई। मामले में आरोपी (1) मोहम्मद सद्दाम पिता मोहम्मद हनीफ उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम शांतिनगर, टिलडेगा, थाना पत्थलगांव, जिला जशपुर (2) पुरूषोत्तम यादव पिता लालजीत यादव उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कदमढ़ोढ़ी, थाना कापू, जिला रायगढ़ (3) चंद्रभान यादव पिता निरंजन यादव उम्र 19 वर्ष ग्राम लुड़ेग, थाना पत्थलगांव, जिला जशपुर (4) प्रफुल्ल एक्का पिता स्व. रूबेन एक्का उम्र 22 वर्ष निवासी तुरगाआमा, थाना पत्थलगांव (5) लक्ष्मी नारायण यादव उर्फ बललू यादव पिता कुरसो राम यादव उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम लुड़ेग, थाना पत्थलगांव (6) सागर जायसवाल उर्फ गोलू पिता विनोद जायसवाल उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम सोहगा, थाना दरिमा, जिला सरगुजा (7) कैलाश अग्रवाल पिता स्व. रोहितास अग्रवाल उम्र 35 वर्ष निवासी चिकनीपानी, थाना बागबहार, जिला जशपुर को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में फरार राईस मिल संचालक सहित अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर, सुभाष कुजूर, चौकी प्रभारी खड़गवां विमलेश सिंह, चौकी प्रभारी लटोरी धनंजय पाठक, एएसआई अरविन्द प्रसाद, वरूण तिवारी, कृष्णा सिंह, प्रधान आरक्षक विशाल मिश्रा, सुशील मिश्रा, पिंगल मिंज, भीखराम, संजय सिंह यादव, आरक्षक विकास मिश्रा, शोभनाथ कुशवाहा, नंदकिशोर राजवाड़े, अमलेश्वर सिंह, शिव राजवाड़े, विनोद टोप्पो, जितेन्द, अनिल, दयानंद व महिला आरक्षक मुनेश्वरी सक्रिय रहे।

मूल सुविधाओं से वंचित है मां अष्टभुजी का दरबार, नवरात्र में भारी संख्या में माता के दर्शन को पहुँचते है श्रद्धालुगण

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर- जिले के चांदनी बिहारपुर के ग्राम महुली में स्थित गढवतिया माँ का मंदिर स्थित है जहां पर मूल सुविधाओं का अभाव है इसके बावजूद भी दिन पर दिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती हुई नजर आ रही है इसके बावजूद भी जिला प्रशासन द्वारा यहां पर सुविधाओ को लेकर कोई सार्थक कदम नही उठाया गया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार लोक सुराज में विकास एवं मूर्ति संरक्षण के लिए आवेदन लगाया गया था साथ ही ब्लॉक से लेकर जिले तक कई बार अधिकारियों को ध्यानाकर्षण कराया गया किंतु आज तक स्तिथि जस की तस है , कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है जिसपर ग्रामीणों ने काफी नाराजगी जताया है। विदित हो की सूरजपुर जिले से 125 किलोमीटर दूर स्थित ओड़गी ब्लॉक के ग्राम पंचायत महुली के गढ़वतिया पहाड़ में मां अष्टभुजी का दरबार है जहाँ पर कई वर्षों पूर्व से भारी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन को पहुंचते हैं तथा चैत नवरात एव शारदीय नवरात्र मे तो श्रद्धालुगण हजारो की संख्या में दर्शन को यहां पर पहुँचते है।लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई भी पहल नहीं किया गया है। वहीं जब प्रशासन द्वारा जब माता अष्टभुजी के दरबार मे सुविधाओ को विकसित नही किया गया अंततः ग्रामीणों द्वारा चन्दा एकत्रित कर व्यवस्था के तौर पर सीढ़ी निर्माण कराया गया है ।

मूलभूत सुविधाओं के अभाव के बीच भी भारी संख्या में माता दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुगण

सूरजपुर जिले के दुरांचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के ग्राम महुली में मां गढ़वतिया देवी धाम में शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

प्रतिदिन पहुचती है यहां उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश झारखंड से भारी संख्या में दर्शनार्थी पहुंचते हैं ।प्रतिवर्ष यहां चैत्र नवरात्र व शारदीय नवरात्र में मेला लगता है श्रद्धालुओं की आस्था है कि यहां जो भी भक्त माता के दरबार में आता है उन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं ।भक्त श्रद्धा से नारियल चुनरी चढ़ाते हैं ।

यहां पर पूरे पहाड़ में प्राचीन मूर्तियों का भंडार है लेकिन संरक्षण के अभाव में बहुत सारी मूर्तियां टूट चुकी हैं वह अस्त-व्यस्त बिखरी हुई हैं । गढ़वतिया धाम के मुख्य पुजारी जगमोहन ने बताया कि यहाँ जो भी भक्त माता के दर्शन को आते है श्रद्धा सुमन से जो भी अर्पण करते है माता उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण करती है। इस धाम का आकर्षण का केंद्र यहाँ की प्राचीन मूर्तियों का विशाल भंडार है। परन्तु प्राचीन मुर्तिया संरक्षण के अभाव में नष्ट होकर अस्त-व्यस्त बिखरे पड़े हैं।

माँ अष्टभुजी धाम में भक्तो की

भीड़ हमेशा रहती है लेकिन सुविधाओं के अभाव में दर्शनार्थियों को पहुंचने में अनेक कठिनाइयों सामना करना पड़ता है। मुख्य रूप से मूल सुविधाओं जैसे पानी लाइट सीढ़ी की अव्यवस्था यहां पर स्पस्ट रूप से दिखाई देती है। इस सम्बंध में सोमार साय बैगा ने बताया कि पहाड़ी पर शिव, गणेश, हनुमान, महिषासुर मर्दनी की मूर्ति भी देखने को मिलती है जिसे देखकर लगता है कि यहां कोई प्राचीन गढ़ रहा होगा। इसलिए इसका नाम गढ़वतिया पहाड़ पड़ा। मान्यता है कि इस पहाड़ी पर राजा बालम ने किला व मंदिर बनवाया था। राजा खैरवार जाति के थे, इसलिए पहाड़ी देवी की पूजा खैरवार जाति के बैगा ही करते हैं। मीणों ने कलेक्टर महोदय से मंदीर को दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित कर व्यवस्थाओ को सुदृण करने के साथ मूर्तियों को संरक्षण हेतु पुरातत्व विभाग को सौंपने की भी मांग की है।

तौकीर रजा के बिगड़े बोल: पीएम मोदी को लेकर अभद्र भाषा का किया प्रयोग, मुस्लिम लड़कियों की घर वापसी पर बिफरे

तौकीर रजा बोले कि देश में कानून सबके लिए बराबर है। सरकार जब खालिस्तान की मांग करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करती है तो हिंदू राष्ट्र की मांग करने वालों पर भी देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए, लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। बरेली मस्लक के धार्मिक नेता और इत्तेहाद-ए-मिल्लत परिषद के मुखिया मौलाना तौकीर रजा खां ने कहा कि पूरे देश में दस लाख से अधिक मुस्लिम लड़कियों को लालच देकर, बहकाकर और अगवा करके उनकी हिंदू लड़कों से शादी करा दी गई। इसे घर वापसी का नाम दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि पीएम से सवाल करता हूं कि ऐसा कर हिंदू लड़कों ने क्या हिंदू समाज की लड़कियों का हक नहीं मारा। ऐसा करने वाले और उनकी हिमायत करने वाले न तो हिंदू समाज के हितैषी हैं और न देश के। बल्कि वह देश के गद्दार हैं। बरेली से 15 मार्च को अपनी प्रस्तावित तिरंगा यात्रा की तैयारी के सिलसिले में मौलाना तौकीर रजा शनिवार को तहसील स्कूल स्थित खानकाहे जामिया अशरफिया स्थित दरगाह पहुंचे थे। वहां चादरपोशी की थी और अपने मुरीदों से मिले। वहीं उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस देश में कानून सबके लिए बराबर है। सरकार जब खालिस्तान की मांग करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करती है तो हिंदू राष्ट्र की मांग करने वालों पर भी देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए, लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबका साथ, सबका विकास का नारा पूरी तरह झूठा है। कुछ कट्टरवादी हिंदू देश में नफरत का बीज बो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी कीमत पर देश को बंटने देना नहीं चाहते हैं। जो लोग हिंदू-मुस्लिमों को बांटना चाहते हैं, उनकी शिनाख्त कर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार मुस्लिमों के साथ इंसाफ नहीं कर रही है। जिन मुस्लिमों का कत्ल हुआ है उनका कत्ल करने वालों के घर पर भी बुलडोजर चलना चाहिए, आरोपियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। तौकीर रजा आगे बोले कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए वह 15 मार्च को बरेली से तिरंगा लेकर पैदल दिल्ली तक यात्रा करेंगे। 20 मार्च को दिल्ली पहुंच कर राष्ट्रपति को ज्ञापन देंगे। उन्होंने देश से प्रेम करने वाले और संविधान में यकीन रखने वाले लोगों से इस यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया।

यात्रा का मकसद राजनीतिक नहीं

मौलाना तौकीर रजा खां ने स्पष्ट किया कि 15 को बरेली से दिल्ली तक के लिए शुरू होने वाली उनकी तिरंगा यात्रा का मकसद बिल्कुल भी राजनीतिक नहीं है। भारत के संविधान में यकीन रखने वाले, देश की गंगा जमुनी तहजीब को मजबूत करने की सोच वाला कोई भी व्यक्ति इस यात्रा में शामिल हो सकता है। चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल का क्यों न हो।

महिला या पुरुष, बांझपन के लिए कौन जिम्मेदार, BHU में DNA वैज्ञानिक ने बताया सच

बीएचयू के विज्ञान संस्थान में डीएनए डिफेंस मैकेनिज्म पर आधारित एडनेट 2023 का आयोजन किया गया। हैदराबाद सीसीएमबी के निदेशक प्रो. के थंगराज ने जेनेटिक्स ऑफ मेल इनफर्टिलिटी पर चर्चा करते हुए कहा कि बांझपन के लिए हर बार बहू को जिम्मेदार ठहराया जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में डीएनए डिफेंस मैकेनिज्म पर आधारित एडनेट 2023 का आयोजन किया गया। सीसीएमबी हैदराबाद के निदेशक डॉ. के थंगराज ने कहा कि पुरुष बांझपन के अधिकतर मामलों में मां का माइटोकांड्रियल डीएनए ही उत्तरदायी होता है। शोध में यह निष्कर्ष सामने आया है और इसकी पहचान भी हो चुकी है। शनिवार को बीएचयू के विज्ञान संस्थान के संगोष्ठी संकुल में महामारी के डीएनए डिफेंस मैकेनिज्म पर आधारित एडनेट 2023 के दूसरे दिन डीएनए वैज्ञानिक डॉ. थंगराज ने जेनेटिक्स ऑफ मेल इनफर्टिलिटी पर चर्चा करते हुए कहा कि बांझपन के लिए हर बार बहू को जिम्मेदार ठहराया जाता है लेकिन ऐसा नहीं है।

एक हजार सैंपल की जांच के बाद खुलासा

पुरुषों में बांझपन के लिए पिता नहीं मां का डीएनए ही जिम्मेदार होता है। इसका खुलासा एक हजार सैंपल की जांच के बाद हुआ। एक हजार सैंपल की जांच में नौ जींस मिले हैं, जो पुरुष बांझपन के लिए जिम्मेदार थे और यह मां के माइटोकांड्रियल डीएनए से बच्चों में आया था। जीनोम सिक्वेंसिंग के दौरान पता चला कि 90 फीसदी केस में माता के डीएनए के कारण ही पुरुष बांझपन की समस्या आती है।

डॉ. थंगराज ने कहा कि हमारे समाज में बच्चे पैदा नहीं होने पर महिलाओं को बांझ कहा जाता है। अधिकतर मामलों में पुरुष ही इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। माइटोकांड्रियल डीएनए की समस्या की वजह से जो बांझपन होता है, वह भी मां से बेटे को मिलता है। ऑटोजोम्स के कारण जो बांझपन होता है, वह भी मां से बेटे को जाता है। उन्होंने कहा कि नौ जींस की पहचान की गई है, जो ऑटोजोम्स में पाए जाते हैं।

How did Virat's life change after meeting Anushka? This was Kohli's 'life-changing' moment

In a recent podcast episode of Royal Challengers Bangalore, Kohli looked back at some of the key events in his life. Recalling how things changed after his father's death, Kohli said that his perspective towards things changed but not his life. Life has not been an easy journey for one of India's greatest batsmen, Virat Kohli. He faced many difficult challenges in this journey. From gaining weight in the early days of cricket to now being a fit player with a gluten free diet, Kohli has changed the definition of cricket. Since his arrival, more attention has been paid to fitness in cricket. Kohli faced many such challenges in his journey to cricket stardom, but believes that the life-changing moment for him was when he met Bollywood actress Anushka Sharma. Kohli later married Anushka. In a recent podcast episode of Royal Challengers Bangalore, Kohli looked back at some of the key events in his life. Recalling how things changed after his father's death, Kohli said that his perspective towards things changed but not his life. Kohli said- When my father passed away, my attitude towards things changed, but my life did not change much. Life around was the same as before. This incident made me very flexible, told me what I wanted to do in life and gave me a lot of inspiration to make my dream come true, but it was not life changing. I was still playing cricket, I was still doing what I had to do and the environment was pretty much the same. Talking about the 'life-changing' moment, Kohli said that after meeting Anushka, he looked at life in a completely different way. Kohli said- I would say that the life-changing moment was when I met Anushka, because I saw a different side of life. It was not like my surroundings. Kohli said- It was a different approach, that was a life-changing approach, because when you fall in love, you start feeling those changes within yourself too, because you have to move together. To do this you need to accept a lot of things and that was life changing for me.

Shubman Gill created history as soon as he scored a century against Australia, made a flurry of records

New Delhi, Sports Desk. In the first innings of the fourth and last Test match being played between India and Australia, the batsmen of Team India have done a brilliant counterattack.

In the first innings, opener Shubman Gill has scored a brilliant century for Team India. He scored the second century of his Test career in the 62nd over of the Indian innings. With this, Shubman Gill has become the second youngest batsman in India to score a century against Australia. Apart from Gill, these Indian batsmen have also done wonders – Shubman Gill became the first batsman to score a century in all three formats in the year 2023. I have scored a century. Apart from this, he also became the first batsman in the country to score a century in all three formats in a calendar year. Apart from Shubman Gill, Rohit Sharma, Suresh Raina and KL Rahul have also done the feat of scoring a century in all three formats in a calendar year. Against Australia, Gill has scored a century off 194 balls. Please tell that the match of the third day of the match is being played on Saturday. Gill looking in great rhythm - Shubman Gill completed the second century of his Test career by hitting the second ball of the 62nd over of the innings by Todd Murphy in the direction of short fine leg. Gill completed the hundred in 194 balls with the help of 10 fours and a six. Shubman Gill is in excellent form at the moment and he is trying to get the team a big score. Gill has completed a century partnership with Pujara. This year Shubman Gill's bat is on fire. Please tell that this year Gill has scored 5 centuries. Apart from this, David Conway has scored three centuries. At the same time, Rohit and Virat have 2-2 centuries in their names.

When the ball hit the helmet, Afridi asked about Gambhir's condition, Asia Lions beat India Maharaja by 9 runs

India Maharaja consists of former players of India. In this match, Asia was captained by Shahid Afridi and India was captained by Gambhir. When it comes to the biggest controversy between two players on the cricket field, one remembers the clash between former India opener Gautam Gambhir and former Pakistan captain Shahid Afridi. When both used to enter the field against each other, the competition was worth watching. Everyone still remembers the story of the fight between Gambhir and Afridi. Both revived this memory once again on Friday. Gambhir-Afridi clash- Asia Lions and India Maharaja's team came face to face in Legends League cricket on Friday in Doha. Asia Lions has retired players from all Asian countries except India. At the same time, India Maharaja includes former players of India. In this match, Asia was captained by Shahid Afridi and India was captained by Gambhir. At first both came face to face at the time of the toss, but Gambhir ignored Afridi then. What happened during the match? After this both the players again came face to face during the match. During the Indian innings, in the 12th over, Abdul Razzaq's ball hit Gambhir on the helmet. Though the ball lacked pace and Gambhir was unhurt, Afridi approached him and asked if everything was fine. On this, Gambhir indicated that everything is fine. Its video is becoming very viral on social media. During the match, the commentators were also talking about the collision between the two. Both had clashed in 2007 - Actually, earlier in 2007, during the Kanpur ODI, Gautam Gambhir and Shahid Afridi had clashed with each other on the middle ground. Its picture is still in people's mind. Actually it happened that Gambhir hit a ball of Afridi for a four and ran to take a single on the very next ball. While Gambhir was running to take the run, Afridi came in his way and there was a collision between the two. After this there was a lot of tussle between the two players. The field umpire somehow resolved the matter. After the match, referee Roshan Mahanama fined Afridi 95 per cent of the match and Gambhir 65 per cent. What happened in the LLC match?t

Rilee Rossouw hit the fastest century of PSL, records piled up in Multan Sultans-Peshawar Zalmi match

New Delhi: Riley Rossouw created a flurry of records by scoring a stormy century in Rawalpindi on Friday. Rossouw hit his century in just 41 balls, which is the fastest century in Pakistan Super League history. Rossouw broke his own record for the fastest century in PSL history. Earlier, he had scored a century against the Gladiators in 43 balls. However, Rilee Rossouw scored 121 runs in 51 balls with the help of 12 fours and 8 sixes. Thanks to his innings, Multan Sultans achieved the target of 243 runs by losing 6 wickets with 5 balls to spare. The match between Peshawar Zalmi and Multan Sultans was full of records. In the match played in Rawalpindi, Peshawar Zalmi batted first and scored 242 runs losing 6 wickets in 20 overs. In reply, Multan Sultans achieved the target by losing 6 wickets in 19.1 overs. In this way Multan won the match by four wickets and reached the third position in the points table. Let us tell you how many records were made in this match – Riley Rossouw completed his century against Peshawar Zalmi in 41 balls. This became the fastest century in PSL history. Rossouw broke his own record. Earlier in 2020, he scored a hundred in 43 balls against Quetta Gladiators. Rylee Rossouw brings up his fifty in 17 balls, which is the joint fastest fifty in PSL. Three other batsmen have scored half-centuries in 17 balls in the tournament. This includes the names of Kamran Akmal, Asif Ali and Hazratullah Jazai. Batsman to score fastest fifty in PSL 17 balls - Kamran Akmal vs Karachi Kings, 2018 17 balls - Asif Ali vs Lahore Qalandars, 2019 17 balls - Hazratullah Zazai vs Karachi Kings, 2021 17 balls - Rylee Rossouw vs Peshawar Zalmi, 2023. Rossouw scored 121 while chasing the target, which is the third highest individual score in PSL. The record for the best individual score is in the name of Jason Roy (145*), who won the team by playing an innings against Zalmi this week. Apart from this, Colin Ingram (127 *) of Karachi Kings is in second place, who won the team against Quetta Gladiators in 2019. The target of 243 was achieved by Multan Sultans, which is the joint second highest successful run chase in T20 history. This record is recorded in the name of Australia, who achieved the target of 244 against New Zealand in 2018. Bulgaria had achieved the target of 243 against Serbia in 2022. Sultan destroyed Gladiators' PSL record, which they had made against Zalmi only two days back. Quetta Gladiators chased down a target of 241. The 244/6 Sultans scored against Zalmi on Friday is the third highest team score in PSL. This is also the second highest team score for Sultans in PSL. Earlier he scored 245/3 against Quetta Gladiators in 2022. The biggest record in PSL is in the name of Islamabad United, who scored 247/2 against Zalmi in 2021. 356 runs were scored from boundaries in the match between Sultans and Zalmi, which is the joint second most in a T20 match. In the match between Jamaica Tallawahs and Trinbago Knight Riders in CPL in 2019, 362 runs were scored from boundaries, which is a record. In the 2016-17 Super Smash between Central Districts and Otago, 356 runs were scored from boundaries. 32 sixes were hit in the match between Sultans and Zalmi, which is a record in a PSL match. Earlier this record was in the name of Lahore Qalandars and Zalmi, where 28 sixes were hit. 487 runs were scored in the match between Multan Sultans and Peshawar Zalmi which became a PSL record. Earlier on Wednesday, 483 runs were scored between Zalmi and Gladiators. It was the best in Asia and the seventh highest run match in a T20 match. Peshawar Zalmi lost the match after scoring 240+ for the second time in a row.

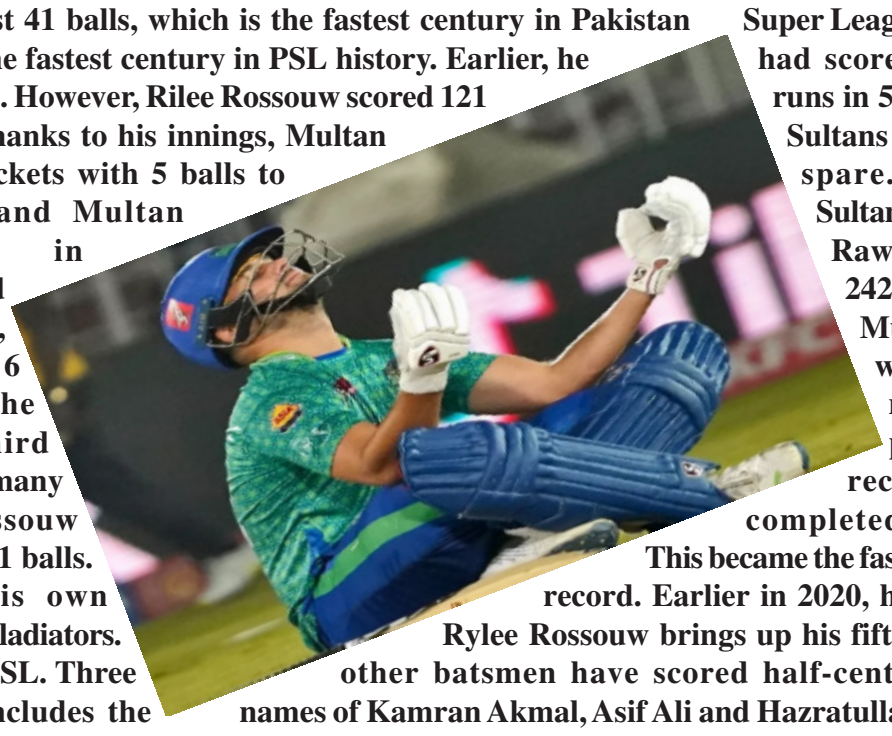

When Shraddha Kapoor was caught red-handed while cheating, then what happened... will blow your mind

Shraddha Kapoor is busy promoting her film 'Tu Jhoothi Main Makkar'. Meanwhile, the actress has narrated an anecdote of cheating through herself, which is mind blowing. Shraddha Kapoor is going to be seen in the latest release film 'Tu Jhoothi Main Makkar'. The actress is opposite Ranbir Kapoor in this movie and the pairing of the two is creating a lot of buzz on the big screen. The film went on to become second biggest opener of the year by earning 15.73 crores on its very first day of release. There was a decline in its business on the second day. However, on the third day, the movie has picked up the pace and earned well. In this episode, Shraddha Kapoor has been seen making a big disclosure about herself, which has stunned even the fans. Shraddha Kapoor caught cheating - Shraddha Kapoor is busy promoting the film 'Tu Jhoothi Main Makkar' even after its release. Regarding this, the actress has recalled her school days in the latest interview. Along with this, Shraddha has narrated the incident when she was caught cheating in the examination by her teacher. Shraddha Kapoor remembers school days - In an interview given to a leading tabloid, Shraddha Kapoor recalled childhood stories and said, 'We all have definitely cheated in some or the other exam. I was very disappointed with myself. I wrote my answers down my pinafore and I thought what a brilliant idea no one would be able to catch me.' Teacher caught Shraddha red-handed - Shraddha Kapoor then shared the funny twist that came during the cheating, saying, 'I was looking at the answer and my teacher was standing right next to me. I was like hey I know I will get excellent marks. However, just then my teacher shouted, 'Shraddha!' And finally I got caught. Clearly I am a blatant liar.' Tu Jhoothi Main Makkar is produced by Luv Films and Ankur Garg, and is presented by T-Series' Gulshan Kumar and Bhushan Kumar.

Remembering the days of struggle, Archana Gautam's pain overflowed, she said - people used to call her illiterate illiterate

Archana Gautam, who was seen in Bigg Boss 16 house, had to face rejections several times. Recently, remembering the days of her struggle, Archana Gautam mentioned how she was humiliated by being called illiterate illiterate. People didn't like him. Even though she has reached a high position today, she had to listen a lot in the initial days. During the Bigg Boss show, Archana Gautam was well received by the audience. Archana Gautam was the third runner up in Bigg Boss 16. Archana Gautam recently told how she had to face taunts for not knowing English. People used to call him illiterate illiterate, he had to face elections many times. Archana Gautam also told about this that an advice of Salman Khan inspired him. During the interview given to the media, Archana Gautam told that after coming to Mumbai, she had to face rejections many times due to lack of English. When I used to go to meet people, they used to talk to me in English and I could not speak English. Because of which many difficulties had to be faced. Archana further told that now she has improved herself a lot, now I know the basic things, I think she has prepared herself. But at that time people looked at me with a bad eye and considered me illiterate illiterate. To whom I go to ask for work, they do not deny me clearly, they do not talk about rejection in front of me. But saying that the woman will come to know later, she would have understood. Archana told that at that time my confidence decreased and I started feeling that nothing would happen to me and I would not get work. Archana further told that Salman told her that it would be better for me to make a career in the entertainment field, that I should focus on.

Rani ready to work for many producers, said - If husband works with so many actresses...

Bollywood actress Rani Mukherjee will once again be seen spreading her performance on the big screen. She will be seen playing a mother whose children are separated from her abroad in Mrs Chatterjee vs Norway, directed by Ashima Chhibber. The film, based on true events, will hit the theaters on March 17. The film is based on the life of Sagarika Chakraborty. Rani met Sagarika during the promotion of the film. During this she became emotional. During this, Rani also talked about her husband Aditya Chopra. Actually, Rani has been seen only in her husband Aditya's films for the last few years. Now talking about it, the actress revealed that she is open to working with other projects as well. Rani said, 'My husband works with so many actresses. Why can't I work with other producers? All I need is a good script. Be it YRF or any other.

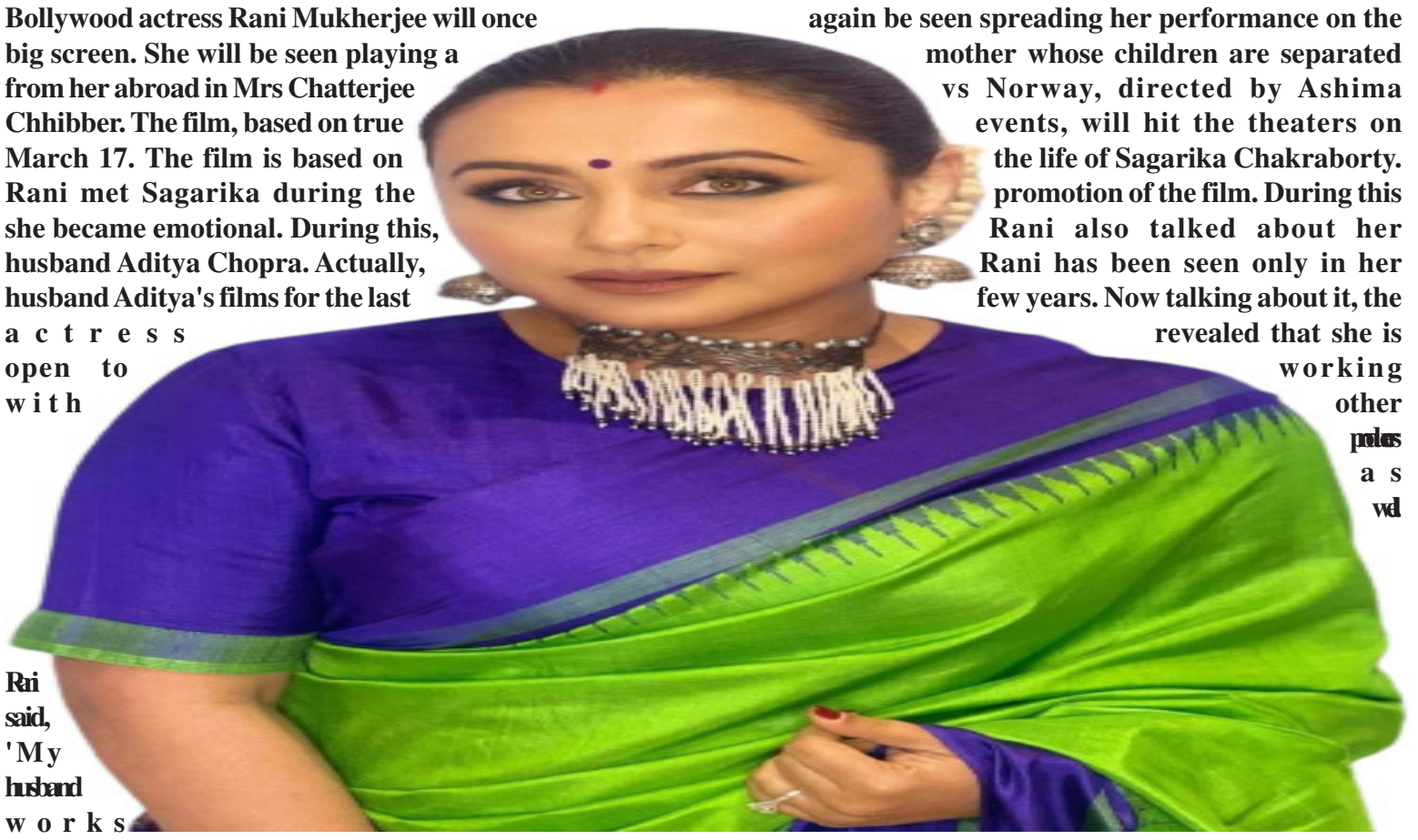

On the 18th birthday of niece Samaira, Aunt Kareena wished her in a special way, said she is ready to fly

Actress Kareena Kapoor has wished her niece Samaira Kapoor on her birthday in a unique way. He has congratulated the birthday by sharing some unique pictures on his Instagram. Samaira Kapoor is the daughter of Kareena Kapoor's sister Karisma Kapoor and ex-husband Sanjay Kapoor. She has turned 18 on Saturday. Her family and friends have also congratulated Samaira in the comments section. Kareena shared a picture on Instagram- The first picture shared is of Samaira's birthday celebration, in which she is seen with her mother Karisma. Samaira is wearing a black waistcoat and short skirt, while Karisma is also looking amazing in a black dress. In the second picture, Samaira is in flight and having fun with Kareena's younger son Jahangir and in the third picture, Karishma and Samaira are lying together on the bed hugging each other. Sharing the pictures, it is written – Lolo's baby girl turns 18, our lovely Sama is ready to fly, take on the world baby, because I am always ready to protect you and love you forever. Happy 18th birthday Samaira. Saba Ali Khan and Malaika also gave birthday wishes- On this post of Kareena, actress's sister-in-law Saba Ali Khan has also congratulated Samaira on her birthday. He wrote – Happy Birthday Samaira 18, MashaAllah. Malaika Arora has also congratulated and wrote in the comment section Happy Birthday our darling Sama. At the same time, Karishma Kapoor has also commented on this post of Kareena, wrote to her – Bebo Maa of Samaira. The fans of the actress have also wished Samaira on her birthday. Users wrote - Happy birthday and keep shining always. Karisma will be seen in the web series- Let us tell you that Samaira is busy with her studies these days, currently she is away from the film industry. At the same time, Karishma Kapoor made a comeback to acting in the year 2020 with the web series Mentalhood, now she is going to be seen in another web series Brown. Karishma will also be seen in Homi Adajania's next film Murder Mubarak. It also stars Sara Ali Khan. Kareena is also busy with many projects these days. She will be seen in Sujoy Ghosh's OTT film Suspect X, along with which she has also completed shooting for The Crew. Tabu and Kriti Sanon are going to be seen with him in this film.

The actress said Adi was shocked to do the film. He was very impressed. I don't think I've seen him so impressed in a film. He was very impressed with my acting and told me well done and I thanked him. He often praises me behind my back, but this time he hugged me and he could not stop himself from praising me. Recently the trailer of this film was released. The trailer begins with Mrs. Chatterjee. She lives happily in Norway with her husband and two children, Shubh and Shuchi, but soon her life is thrown into jeopardy as officials from the country's Child Protection Authority suddenly visit her one day and take her children away. Chatterjee later learns that his children are being taken away from him. The couple was accused of not taking proper care of their children and she was unable to take care of them, due to which the authorities took the children into their custody. After this begins the story of a mother's struggle, who stands against the government and the system to get her children.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com